ठाणे - मुंबई से प्रकाशित

बुधवार , 18 फरवरी 2026

वर्ष - 18, अंक-66

मुल्य-2, पृष्ठ-8

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

www.tarunmitra.in

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

संपादक- स्वतंत्र कुमार

e-mail-tarun.thana@gmail.com

महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

सच को साबित करने के लिए हमेशा तैयार हैं : राजपाल यादव

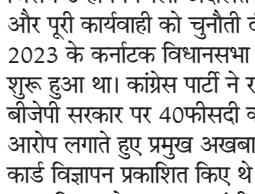

एजेंसी, नई दिल्ली। जेल से रिहा होने के बाद बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने हमेशा ईमानदारी से काम किया है। किसी को उन पर शक है तो सच को साबित करने के लिए वह हमेशा तैयार हैं। राजपाल यादव ने मीडिया को बताया कि वे कानून का सम्मान करते हैं और पिछले एक दशक से हर आदेश का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "पिछले 10 वर्षों में उच्च न्यायालय ने जहां-जहां आदेश दिए हैं, मैं वहां हाजिर हुआ हूं। आगे भी कानून का जो भी आदेश होगा, मैं बिल्कुल हाजिर मिलूंगा।" उन्होंने एक सवाल का जबाव देते हुए कहा कि वे खुद जांच और सवालों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपने करियर पर चर्चा करते हुए अभिनेता ने बताया कि 2027 में उन्हें मुंबई और बॉलीवुड में 30 साल पूरे हो जाएंगे।

बीजेपी के राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस को कर्नाटक हाईकोर्ट ने किया रद्द

एजेंसी, बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने राहुल गांधी को राहत देते हुए बीजेपी की राज्य इकाई द्वारा दायर मानहानि की शिकायत को रद्द कर दिया है। जस्टिस एस सुनील दत्त यादव की एकल पीठ ने राहुल गांधी की याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें उन्होंने निचली अदालत द्वारा जारी समन और पूरी कार्यवाही को चुनौती दी थी। यह विवाद 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान शुरू हुआ था। कांग्रेस पार्टी ने राज्य की तत्कालीन बीजेपी सरकार पर 40फीसदी कमीशन का आरोप लगाते हुए प्रमुख अखबारों में करप्शन रेट कार्ड विज्ञापन प्रकाशित किए थे। बीजेपी ने इसे मानहानि बताते हुए राहुल गांधी, सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम शिवकुमार के खिलाफ केस दर्ज कराया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने फैसले सुनाते हुए साफ किया कि राहुल गांधी के खिलाफ इस मामले में कार्यवाही को जारी रखना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।

सुप्रीम कोर्ट में लालू यादव की सजा निलंबन की याचिका पर सुनवाई टली

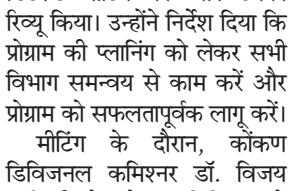

एजेंसी, दिल्ली। बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के देवघर जिला कोषागार घोटाले मामले में मिली सजा के निलंबन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई टल गई। अब इस मामले में सुनवाई अप्रैल में होगी। सजा के निलंबन को चुनौती देने के मामले में मंगलवार को जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एनके सिंह की बेंच में सुनवाई हुई। इस दौरान सीबीआई के वकील ने कहा कि ये सभी आरोपी अवैध रूप से बाहर हैं और ये दोषसिद्धि के बाद की स्थिति है। सीबीआई की ओर से चारा घोटाले में सजा पाए आरोपियों के सजा से निलंबन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देवघर जिला कोषागार घोटाले में साल 1990 और 1994 के बीच देवघर ट्रेजरी से 89 लाख रुपए की कथित हेराफेरी शामिल है।

राष्ट्रवादी (शरद पवार) गुट ने पकड़ी अलग राह सियासी हलचल तेज

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडीः भिवंडी महानगरपालिका में महापौर और उपमहापौर पद के लिए सोमवार को नामांकन दाखिल किए गए। 12 नगरसेवकों वाली राष्ट्रवादी (शरद पवार) ने दोनों पदों के लिए एक भी उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारा है। इससे राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। महानगरपालिका में कांग्रेस के 30 और राष्ट्रवादी (शरद पवार) के 12 सदस्य मिलाकर कुल 42 सदस्य भिवंडी सेक्युलर फ्रंट में शामिल हैं। इससे पहले समाजवादी पार्टी के 6 नगरसेवक भी इस फ्रंट में शामिल हुए थे। संख्या बल के आधार पर कांग्रेस ने महापौर पद पर दावा किया था। हालांकि, ऐन मौके पर समाजवादी पार्टी सेक्युलर फ्रंट से बाहर हो गई। कुछ दिन पहले राष्ट्रवादी (शरद पवार) के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि यदि समाजवादी फिर से सेक्युलर फ्रंट में आती है तो उन्हें उपमहापौर पद दिया जाएगा। साथ ही यह चेतावनी भी दी गई थी कि अगर समाजवादी शामिल नहीं हुई तो अलग फैसला लिया जाएगा। फिलहाल राष्ट्रवादी (शरद पवार) ने महापौर और उपमहापौर दोनों पदों से दूरी बना ली है।

समाजवादी का कोणार्क विकास आघाड़ी से हाथ मिलाना

समाजवादी पार्टी ने सेक्युलर फ्रंट से अलग होकर कोणार्क विकास आघाड़ी से हाथ मिला लिया है। कोणार्क के महापौर पद के उम्मीदवार मयुरेश पाटील और प्रतिभा पाटील के नामांकन पत्र में समाजवादी नगरसेवकों के नाम प्रस्तावक और अनुमोदक के रूप में शामिल हैं, जिससे साफ हो गया है कि समाजवादी अब कांग्रेस और राष्ट्रवादी (शरद पवार) के सेक्युलर फ्रंट से अलग हो चुकी है। कोणार्क के पूर्व महापौर विलास पाटील के पुत्र और महापौर पद के उम्मीदवार मयुरेश पाटील के नामांकन पत्र में समाजवादी के प्रभाग 8 बी से निर्वाचित कशफी शाफ मोमिन प्रस्तावक हैं, जबकि प्रभाग 8 ए के नगरसेवक मो. आजीब जमाल अहमद अनुमोदक हैं। वहीं पूर्व महापौर प्रतिभा पाटील के नामांकन पत्र में प्रभाग 8 सी की नगरसेविका शबाना अंसारी प्रस्तावक तथा प्रभाग 19 बी की नगरसेविका सलमाबानो शेख अनुमोदक हैं। समाजवादी पार्टी के शहराध्यक्ष अनस अंसारी ने कहा है कि यदि उपमहापौर पद समाजवादी को दिया जाता है तो पार्टी शिंदे सेना के साथ रहेगी। शिंदे सेना की ओर से महापौर पद के लिए बालाराम चौधरी और सुचिता म्हात्रे ने नामांकन दाखिल किया है, हालांकि विलास पाटील की गिरफ्तारी के बाद यह स्पष्ट हुआ है कि शिंदे सेना का समर्थन विलास पाटील को है। अब समाजवादी के शिंदे सेना के साथ जाने की बात सामने आने से भिवंडी पालिका में महापौर पद किसके खाते में जाएगा, इसे लेकर उत्सुकता चरम पर है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट: जनता के लिए हो एआई का इस्तेमाल:मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे पांच दिवसीय इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दूसरे दिन मंगलवार को पीएम मोदी ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि एआई का इस्तेमाल सभी के लाभ के लिए कैसे किया जा सकता है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि बुद्धिमत्ता, तर्कसंगतता और निर्णय लेने की क्षमता विज्ञान और प्रौद्योगिकी को जनता के लिए उपयोगी बनाती है। सोमवार से शुरू हुए इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों, मंत्रियों, वैश्विक प्रौद्योगिकी नेताओं, प्रख्यात शोधकर्ताओं, बहुपक्षीय संस्थानों और उद्योग जगत के हितधारकों को एक साथ लाया गया ताकि समावेशी विकास को आगे बढ़ाने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श किया जा सके। यह पहली बार है कि इस मुद्दे पर इतने बड़े पैमाने पर वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया

जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह समिट 20 फरवरी को समाप्त होगी, इसमें 100 से ज्यादा सरकारी प्रतिनिधि भाग लेंगे, जिनमें 20 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और उप मंत्री शामिल हैं, साथ ही सीईओ, संस्थापक, शिक्षाविद, शोधकर्ता, सीटीओ और परोपकारी संगठनों समेत 500 से ज्यादा वैश्विक एआई नेता भी शामिल हो रहे हैं। 19 फरवरी को पीएम मोदी उद्घाटन भाषण देंगे, जो वैश्विक सहयोग की दिशा तय करेगा और समावेशी एवं जिम्मेदार एआई के लिए भारत के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेगा। शिखर सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण तीन प्रमुख वैश्विक प्रभाव चुनौतियां हैं – एआई फॉर ऑल, एआई बाय हर और युवाआई जिनका समापन फाइनलिस्टों की घोषणा और ग्रैंड फिनाले शोकेस के साथ होगा। इन चुनौतियों के लिए 60 से ज्यादा देशों से 4,650 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जो मजबूत अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को दर्शाते हैं और जिम्मेदार और स्केलेबल एआई नवाचार के लिए एक विश्वसनीय वैश्विक केंद्र के रूप में भारत के उदय को मजबूत करते हैं। कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के नेताओं द्वारा किए गए एक कठोर बहुस्तरीय मूल्यांकन के बाद, तीनों श्रेणियों में शीर्ष 70 टीमों को फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया। ये फाइनलिस्ट नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, निवेशकों और शिक्षाविदों के साथ जुड़ेंगे, साथ ही राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अपने नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए मान्यता और सहयोग प्राप्त करेंगे।

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने की अजित पवार विमान हादसे की सीबीआई जांच की मांग

तरुणमित्र, मुंबई

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर अजित पवार विमान हादसे की सीबीआई जांच की मांग की। इस मौके पर राकांपा एपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे, मंत्री हसन मुश्रीफ और पार्थ पवार मौजूद थे। मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात के बाद राकांपा एपी अध्यक्ष सुनील तटकरे ने पत्रकारों को बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मौत के बाद कुछ शंका व्यक्त की जा रही है और विमान हादसे की सच्चाई आम जनता जानना चाहती है। इसलिए इस घटना की गहन छानबीन और हर तरह के तथ्यों की जांच देश की उच्च स्तरीय जांच एजेंसी सीबीआई से करवाना जरुरी है। तटकरे ने बताया कि मुख्यमंत्री कल राज्य सरकार की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री को इस बारे में लिखेंगे। उन्होंने कहा कि जिस दिन यह हादसा हुआ, उस दिन उस डिपार्टमेंट के केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू और मुरलीधर मोहोल वहीं थे। इसलिए, भारत सरकार ने इतने दुखद प्लेन क्रैश के सिलसिले में पहले ही एक ऑटोनॉमस बॉडी नियुक्त कर दी है। उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी है कि ऑटोनॉमस बॉडी ने जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि जब ऑटोनॉमस बॉडी जांच करती है, तो बाहर के एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेटर्स से भी मदद ली जा सकती है। इसलिए, हम मांग करते हैं कि पूरी जांच की जाए। जांच में जो मुद्दे सामने आते हैं, उन्हें ध्यान में रखकर जांच की जाए और नतीजों को राज्य और देश के लोगों के सामने साझा किया जाए।

वर्धा जिले में जीटी एक्सप्रेस के पार्सल कोच में आग से हडक़ंप, कोई हताहत नहीं

तरुणमित्र, मुंबई

महाराष्ट्र के वर्धा जिले में सेवाग्राम स्टेशन के पास चेन्नई से नई दिल्ली की ओर नागपुर जा रही ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस (जी.टी. एक्सप्रेस) के एक पार्सल कोच में मंगलवार को अचानक आग लग जाने से हडक़ंप मच गया। इसकी सूचना मिलते ही रेलवे स्टाफ़ ने तुरंत आग लगे कोच को ट्रेन से अलग किया और ट्रेन को आगे रवाना कर दिया। मध्य रेलवे के प्रवक्ता संजय मुले ने मीडिया को बताया कि जीटी एक्सप्रेस के पार्सल कोच में आग लगने की जानकारी मिलते ही रेलवे स्टाफ और फायर ब्रिगेड के जवान तत्काल मौके पर पहुंचे और आग लगी कोच को ट्रेन से अलग कर दिया। इसके बाद ट्रेन को

उसके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया। ट्रेन के सभी पैसेंजर सुरक्षित हैं। कोच में आग लगने के कारणों को पता लगाने का काम जारी है।

स्थानीय सूत्रों ने बताया कि ट्रेन अपने रेगुलर शेड्यूल के हिसाब से चल रही थी, उसी समय पार्सल कोच के यात्रियों ने ट्रेन से धुआं निकलते देखा। कुछ यात्रियों ने तुरंत चेन खींचकर ट्रेन रोक दी। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे स्टाफ मौके पर पहुंचा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रेन को सेवाग्राम में रोक दिया गया। जलते हुए कोच में सवार यात्रियों को तुरंत नीचे उतारकर सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया। इसके बाद जलते हुए कोच को ट्रेस से अलग किया गया और ट्रेन को आगे रवाना कर दिया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सपकाल ने विवादित बयान के लिए मांगी माफी

तरुणमित्र, मुंबई : महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मंगलवार को अपने विवादित बयान के लिए माफी मांग ली। हालांकि सपकाल ने कहा कि उन्होंने कोई विवादित बयान नहीं दिया, उनके बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया था। सपकाल ने कहा कि इस समय राज्य में शिव जयंती की तैयारियां जोश और उत्साह के साथ चल रही हैं और शिव प्रेमी और भक्त तैयारियों में जुटे हैं। लेकिन दो दिन पहले उनकी ओर से दिए गए बयान को भाजपा ने तोड़ मरोड़ कर पेश किया, जिससे शिवप्रेमियों की भावनाएं आहत हो रही थीं। सपकाल ने कहा कि उन्होंने अपने बयान में छत्रपति शिवाजी महाराज की तारीफ की थी। साथ ही टीपू सुल्तान के काम की भी तारीफ की थी।

अजित पवार की मौत पर संजय राउत ने उठाए सवाल

एजेंसी, मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत को लेकर पवार परिवार के संदेह का समर्थन किया है। इतना ही नहीं सांसद राउत ने विमान के जले हुए ब्लैक बॉक्स की स्थिति को रहस्यमय और बेहद गंभीर बताया। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने कहा कि अजित की फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स जल गया है, इससे पवार परिवार के संदेह की पुष्टि हुई और राज्य सरकार द्वारा जांच के संचालन पर सवाल उठे। शिवसेना यूबीटी नेता ने कहा कि रोहित पवार उसी परिवार के सदस्य हैं, वे तकनीकी मामलों को समझते हैं। अजित की दुर्घटना के बारे में सामने आ रहे रहस्यमय तथ्य बेहद गंभीर हैं। उन्होंने संदेह जताकर कहा कि जब 20 साल बाद भी

ब्लैक बॉक्स मिल जाता है, लेकिन अजित की फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स जल गया है। यह कैसे संभव हो सकता है? अगर रोहित ने यह मुद्दा उठाया है, तब यह गंभीर है, और अगर पवार परिवार इसकी जांच करना चाहता है, तब उन्हें ऐसा करना चाहिए। अजित की मौत मामले में राज्य सरकार की मंशा सही नहीं है। शिवसेना यूबीटी नेता राउत की ये टिप्पणियां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद पवार) के नेता रोहित के हालिया आरोपों के बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने बारामती लेयरजेट 45 दुर्घटना को महज एक हादसा न मानकर साजिश का मुद्दा बताया था।

शहादत समारोह में होंगे 15 लाख भक्त, प्रिंसिपल सेक्रेटरी ने लिया जायज़ा

तरुणमित्र, मुंबई

बड़े प्रोग्राम 'हिंद-दी-चादर' के सिलसिले में, महाराष्ट्र सरकार के प्रिंसिपल सेक्रेटरी श्रीकर परदेशी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए संबंधित एजेंसियों की तैयारियों की डिटेल्ड मीटिंग की और उनका रिव्यू किया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रोग्राम की प्लानिंग को लेकर सभी विभाग समन्वय से काम करें और प्रोग्राम को सफलतापूर्वक लागू करें।

मीटिंग के दौरान, कोंकण डिविजनल कमिश्नर डॉ. विजय सूर्यवंशी ने कोंकण डिविजन में संबंधित एजेंसियों द्वारा अब तक किए गए काम की डिटेल्ड रिपोर्ट पेश की गई। बताया जाता है कि समारोह स्थल पर आने वाले भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक जाम से बचने के लिए एक खास

रूट प्लान तैयार किया गया है। पुलिस डिपार्टमेंट कड़ी सिक्योरिटी रखेगा और सीसीटीवी सिस्टम, कंट्रोल रूम और वॉलंटियर्स को अपॉइंट किया जाएगा। हेल्थ सर्विस के मामले में, अब तक ग्रामीण इलाकों में 2,159 हेल्थ कैंप लगाए जा चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया है। कार्यक्रम स्थल पर 5 टेम्परारी मेडिकल सेंटर और एक आईसीयू बनाया जाएगा। साथ ही, आस-पास के अस्पतालों में 350 बेड और 75 आईसीयू बेड रिज़र्व किए गए हैं। मीटिंग में यह भी बताया गया कि हेल्थ डिपार्टमेंट के ज़रिए टेम्परारी मेडिकल टीम, एम्बुलेंस और फर्स्ट एड सेंटर का इंतज़ाम किया जाएगा। नवी मुंबई के खारघर में ओवे मैदान, जिसे इस प्रोग्राम के लिए चुना गया है, की कैपेसिटी एक बार में लगभग 5 लाख भक्तों की है, और ऐसा इंतज़ाम किया जा रहा है कि मुख्य मंडप में 80 हज़ार भक्त बैठ सकें। लंगर इंतज़ाम के लिए लगभग 2.5 लाख भक्तों पर विचार किया गया है, और 12,500 भक्तों के लिए अलग से इंतज़ाम किया गया है। प्रिंसिपल सेक्रेटरी श्रीकर परदेशी ने कहा कि सभी डिपार्टमेंट आपस में कोऑर्डिनेट करें ताकि प्रोग्राम के दौरान कोई परेशानी न हो।

म्युनिसिपल और नगर निगम सेक्टर के लगभग 17 लाख विद्यार्थियों ने अलग-अलग गतिविधियों में हिस्सा लिया है। प्रोग्राम को प्रचारित करने के लिए, मुंबई शहर, उपनगरों और कोंकण इलाके के सभी सिनेमा हॉल में मशहूर सिंगर सतिंदर सरताज का गाया एक खास गाना दिखाया जा रहा है। साथ ही, मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, कल्याण-डोंबिवली, पनवेल, उल्हासनगर, भिवंडी के म्युनिसिपल और नगर निगम इलाकों में "हिंद की चादर" प्रोग्राम को प्रमोट करने के लिए कुल 219 होर्डिंग्स लगाए गए हैं। देश भर से इस समागम प्रोग्राम आने वाले भक्तों के लिए, ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम के लिए 30 पार्किंग की जगहें तय की गई हैं। भक्तों की सुविधा के लिए कोपरा में एक टेम्पररी पुल बनाया जा रहा है। इस मौके पर राज्य परिवहन और अन्य बसों के लिए तय फ्लो एरिया से मुख्य प्रोग्राम वेन्यू तक भक्तों के पैदल चलने के लिए मेन रोड के किनारे फुटपाथ बनाने के भी निर्देश दिए गए हैं। चूंकि जेएनपीए एरिया में हर दिन करीब 25,000 भारी गाड़ियां आती-जाती हैं, इसलिए जिला प्रशासनिक , पुलिस और संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर ट्रैफिक प्लानिंग की जा रही है।

पानी की टंकी निर्माण में देरी पर नागरिकों का पालिका मुख्यालय के सामने धरना

तरुणमित्र / अनिल वर्मा

भिवंडीः भिवंडी पालिका क्षेत्र के कोटर गेट परिसर स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद मैदान उद्यान में प्रस्तावित पानी की टंकी के निर्माण में हो रही देरी के विरोध में स्थानीय नागरिकों ने जावेद अंसारी उर्फ जावेद किरण के नेतृत्व में मंगलवार (17) को पालिका मुख्यालय के सामने एक दिवसीय धरना आंदोलन किया और प्रशासन से जवाब मांगा। कोटर गेट, मंगल बाजार स्लैब और जैतुनपुरा क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से पानी की गंभीर कमी बनी हुई है। समस्या के समाधान के लिए इस इलाके में पानी संग्रह हेतु टंकी निर्माण को पालिका प्रशासन ने मंजूरी दी थी। निर्माण कार्य शुरू होने के कुछ महीनों बाद

ठेकेदार द्वारा अचानक काम बंद कर दिए जाने से क्षेत्र के नागरिकों में फिर से चिंता का माहौल है, ऐसा आरोप जावेद अंसारी ने लगाया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना नागरिकों की मूलभूत आवश्यकता है तथा स्वास्थ्य, स्वच्छता और सार्वजनिक कल्याण के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना महानगरपालिका का वैधानिक कर्तव्य है। लगातार पानी की कमी के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य और दैनिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अंत में जावेद अंसारी ने मांग की कि पानी की टंकी का निर्माण कार्य तुरंत पुनः शुरू किया जाए और क्षेत्र के नागरिकों को शीघ्र न्याय दिया जाए।

केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने जयपुर से भारत विस्तार का किया शुभारंभ

- भारत विस्तार - कृषि में डिजीटल क्रांति का शंखनाद
- किसानों को उनकी भाषा में मिलेगी कृषि से जुड़ी त्वरित एवं सटीक जानकारी

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

जयपुर । केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि भारत विस्तार के माध्यम से कृषि में डिजीटल क्रांति का शंखनाद हुआ है। इस प्लेटफॉर्म से अन्नदाता किसानों को एआई आधारित प्रणाली में सही समय पर उनकी खेती से जुड़ी विविध जानकारियां त्वरित मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि गुलाबी नगरी जयपुर से पूरे देशभर में शुरू हुए इस एआई आधारित नवाचार से किसानों को एकीकृत डिजीटल प्लेटफॉर्म पर समग्र कृषि सेवाएं प्रदान की जाएगी जिससे कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता को बल मिलेगा एवं किसान सशक्त तथा आत्मनिर्भर बनेंगे। श्री चौहान मंगलवार को दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान से आयोजित भारत विस्तार के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत विस्तार के माध्यम से किसानों को रियल टाइम मंडी मूल्य, भारतीय कृषि शोध संस्थान की कृषि पद्धतियां, केन्द्र की कृषि संबंधी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी, फसल आधारित वैज्ञानिक परामर्श, मौसम पूर्वानुमान, कृषि ऋण, सरकारी योजनाओं की पात्रता, आवेदन सहित तमाम जानकारियां एक ही प्लेटफॉर्म पर आसानी से मिल पाएगी। वर्तमान में यह हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में शुरू किया गया है तथा भविष्य में यह 11 अन्य भारतीय भाषाओं में भी शुरू होगा। साथ ही, आगामी समय में इस प्लेटफॉर्म को एग्रीस्टैक से भी जोड़ा जाएगा जिसके तहत किसान अपनी फार्मर आई.डी. के माध्यम से अपने खेत से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान तुरंत प्राप्त

कर सकेंगे। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। एमएसपी पर रिकॉर्ड खरीद की गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि का विविधीकरण, प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ना, इंटीग्रेटेड फार्मिंग, किसानों को खेती के साथ पशुपालन एवं कृषि वानिकी के लिए प्रोत्साहन सहित अनेक ऐसे निर्णय लिए गए हैं जिससे देश का अन्नदाता लाभान्वित हो रहा है। श्री चौहान ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में राजस्थान में कृषि क्षेत्र में नए-नए प्रयोग किए जा रहे है। साथ ही, कृषि में तकनीक की उपयोगिता से राज्य देश को दिशा भी दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 10 एग्रो जलवायु क्षेत्र हैं, एक बड़ा हिस्सा रेगिस्तान का है। राज्य सरकार द्वारा निरंतर हो रहे नवाचारों के माध्यम से सूक्ष्म सिंचाई के क्षेत्र में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर आ गया है तथा सरकार ने राजस्थान में रेगिस्तान को नंदन वन बनाने का काम किया है। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए किसान हित सर्वोपरि है तथा उनका मानना है कि वे किसानों के हित पर किसी भी तरह की आंच नहीं आने देंगे।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2006-07 में जब चीनी का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ तब तत्कालीन सरकार द्वारा चीनी का बफर स्टॉक क्यों नहीं किया गया, किसानों को संरक्षण क्यों नहीं दिया गया। साथ ही, पहले भारत खाद्य तेलो में आत्मनिर्भर था लेकिन तत्कालीन सरकार की गलत नीतियों के कारण खाद्य तेल में देश आयात पर निर्भर हो गया। उन्होंने पशुपालकों को आश्वस्त किया कि दूध, दही, घी, पनीर अथवा कोई भी डेयरी उत्पाद का आयात नहीं किया जाएगा। साथ ही, किसानों तथा गौ पशुपालकों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय कृषि मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ए.आई. के माध्यम से लागू होने वाली प्रणाली भारत विस्तार कृषि के आधुनिकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। यह किसानों की खुशहाली को और बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने आधार, यूपीआई और एग्रीस्टेक जैसे मजबूत डिजिटल प्लेटफॉर्म की तर्ज पर कृषि में ए.आई. पर आधारित एक राष्ट्रीय डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भारत-विस्तार तैयार किया है। यह एक ऐसा तकनीकी बदलाव है जहां तकनीक, ज्ञान और किसान एक साथ आगे बढ़ते हैं। भारत विस्तार के माध्यम से किसानों के फोन में फसल की योजना, खेती के बेहतर तरीके, कीट से बचाव, मौसम की जानकारी, बाजार भाव, मत्स्यपालन, पशुपालन और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी उपलब्ध होगी। इससे प्रदेश के किसानों को भी व्यापक फायदा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विस्तार के माध्यम से किसानों को खेती से जुड़ी जानकारी और सेवाएं सीधे बातचीत के माध्यम से तुरंत उनकी भाषा में मिलेंगी। महाराष्ट्र से महाविस्तार, बिहार से बिहार कृषि, और गुजरात से अमूल जैसे सिस्टम पहले ही इससे जुड़ चुके हैं। यह एक साझा डिजिटल आधार है, जो केंद्र और राज्यों की प्रणालियों को जोड़कर किसानों तक सेवाएं सरल, एकीकृत और भरोसेमंद तरीके से पहुँचाने का माध्यम बनेगा। श्री शर्मा ने कहा कि किसान केवल अन्नदाता नहीं है, वह इस राष्ट्र की नींव है। हमारा किसान वैज्ञानिक तरीके से कृषि करें, तो निश्चित उसकी आय बढ़ेगी, जिससे देश का विकास होगा। उन्होंने कहा कि हमें कृषि को आगामी पीढ़ी के लिए संजोकर रखना चाहिए। अधिक खाद और कीटनाशक के उपयोग से मृदा खराब होती है। इसलिए यह जरूरी है कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर ही आवश्यकतानुसार खाद एवं कीटनाशक का उपयोग करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि देश में चार जातियां हैं युवा, महिला किसान और मजदूर। जिनके उत्थान के लिए हम कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में कृषि के साथ-साथ पशुपालन पर भी ध्यान दिया है। इसके लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत अब तक 14 लाख से अधिक पशुओं की निःशुल्क बीमा पॉलिसी जारी हो चुकी है।

आंचलिक उच्च प्राथमिक विद्यालय आमेट में प्रतिभा सम्मान समारोहआयोजित, कक्षा 8 के बालक बालिकाओं को दी विदाई

चीफ ब्यूरो किशन पालीवाल आमेट

आमेट, नगर के मारू दरवाजा अदंर स्थित संचालित आंचलिक उच्च प्राथमिक विद्यालय में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेहतरीन प्रस्तुतियों के साथ प्रतिभा सम्मान एवं कक्षा 8 के होनहार विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता विद्यालय संचालक पत्रकार मुबारिक अजनबी ने की। मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नारायण सिंह राव व विशिष्ट अतिथि साकेत साहित्य संस्थान आमेट ब्लॉक अध्यक्ष शिक्षाविद मुकेश वैष्णव,विधालय व्यवस्थापिका श्री मती सुनिता वैष्णव एवं छात्र संसद अध्यक्ष विजय प्रजापत आदि की गरिमामय उपस्थिति रही । आगन्तुक अतिथियों का

विधालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने तिलक लगा,उपरना ओढा एवं पगड़ी पहनाकर पारम्परिक रूप से आत्मिय स्वागत की रस्म अदा की।

दस वर्ष तक निरन्तर एक ही विधालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए आज ऐसा अवसर आया की उन्हें उच्च शिक्षा के लिए औपचारिक विदाई दी गई।

सरस्वती वंदना के साथ शुरू हुए समारोह में विद्यालय में वर्ष पर्यन्त आयोजित हुए सांस्कृतिक,खेलकूद,साहित्यिक,शैक्षिक एवं विविध ज्ञानवर्धक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो पारितोषिक के रूप में प्रदान कर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि साकेत साहित्य संस्थान के अध्यक्ष मुकेश वैष्णव ने विद्यार्थियों को परीक्षा की पूर्व तैयारी हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए प्रेरित किया । इस अवसर पर कक्षा 8 में अध्ययनरत बालक- बालिकाओं के तिलक लगा,उपरना ओढा,श्रीफल भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की मंगल शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई। इस अवसर पर विधालय प्रधानाचार्य करणसिंह,श्रीमती लक्ष्मी लोहार,श्रीमती मुराद बानु,श्रीमती क्रष्णा सुथार,उमेशा खटीक, प्रेरणा कंवर,रूपकंवर, आईशा बानु, गीता सोनी, सीमा देवी सहित बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित थे। विधालय व्यवस्थापिका श्री मती सुनिता वैष्णव ने विद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत करतें हुए सभी का आभार प्रकट किया।

देसूरी एसीबीईओ माली ने गिराली, ढालोप व गुड़ा पृथ्वीराज विद्यालय का शाला संबलन के तहत निरीक्षण कर दिए दिशा निर्देश

तरुणमित्र

नाडोल । अतिरिक्त मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी देसूरी विजयसिंह माली ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गिराली, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढालोप, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गुड़ा पृथ्वीराज का शाला संबलन के तहत निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के संस्था प्रधान सोहनलाल गर्ग ने बताया कि एसीबीईओ माली ने विद्यालय की कक्षाओं,एम डी एम, पुस्तकालय व कार्यपुस्तिकाओं का अवलोकन किया तथा अभिलेखों की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।माली ने विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थियों से संवाद कर पांचवीं

आठवीं कक्षा की परीक्षा की तैयारियों का फीडबैक लिया व आगामी माह में कक्षा 3के विद्यार्थियों के लिए होने वाले बुनियादी अधिगम अध्ययन की चर्चा कर तैयारी के लिए निर्देश दिए। संस्था प्रधान सोहनलाल गर्ग ने विश्वास दिलाया कि उनके द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों की पालना की जाएगी। इस अवसर पर उप प्राचार्य विष्णु प्रसाद , राजेंद्र परिहार, रमेश कुमार वैष्णव, दिलीप सिंह देवल,तारा कुमावत, गिरधारीलाल, बसंतकुमार गर्ग गजेंद्र कुमार दहिया, अशोक कुमार, ब्रजपाल सिंह, कमलेश पंवार, अजयराज,हेमसिंह राजावत, गोविन्द सिंह समेत समस्त स्टाफ उपस्थित रहा । इससे पहले माली ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गिराली व राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गुड़ा पृथ्वीराज का भी शाला संबलन के तहत निरीक्षण कर शिक्षक उपस्थिति व विद्यालय के शैक्षिक सहशैक्षणिक स्तर को जांचा तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर संस्था प्रधान जीवाराम व मोहनलाल, समेत समस्त संस्था प्रधान व स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि शिक्षा अधिकारी विद्यालयों में जाकर शिक्षा संबलन एप के माध्यम से संबलन प्रदान करते हैं।

चिकित्सा मंत्री को बांगड़ अस्पताल बुलाने के लिए कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

पाली 17.02.2026 कर्मयोगी संगठन के संस्थापक अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह मण्डली ने आज कार्यकर्ता व पदाधिकारियों के साथ मिलकर चिकित्सा मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर के नाम का ज्ञापन पाली जिला कलेक्टर के मार्फत भेजा। कर्मयोगी संगठन की मासिक बैठक आज पाली के साइंस पार्क में सुबह 10 बजे से शुरू हुई जिसमें पाली बांगड़ अस्पताल में व्याप्त गंभीर समस्याओं के बारे में खुलकर चर्चा की गई और फिर सर्वसहमति से राजस्थान सरकार के चिकित्सा मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर के नाम का ज्ञापन तैयार किया गया जिसमें 8 मांगे रखी गई और पाली जिला कलेक्टर के मार्फत ये ज्ञापन चिकित्सा मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया और उसके बाद समस्त कार्यकर्ता व पदाधिकारी कर्मयोगी संगठन के संस्थापक अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह मण्डली के नेतृत्व में पाली जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे

तथा बांगड़ अस्पताल की व्यवस्था ठीक करो तथा चिकित्सा मंत्री जी एक बार पाली बांगड़ अस्पताल पधारो के नारे लगाते हुए पाली जिला अतिरिक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और चिकित्सा मंत्री तक ज्ञापन पहुंचाने का निवेदन किया। ज्ञापन में कर्मयोगी संगठन के संस्थापक अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह मण्डली ने बताया कि पाली बांगड़ अस्पताल की व्यवस्था मौजूदा अधीक्षक डॉक्टर कैलाश परिहार से सम्भल नहीं रही है ये भी बताया कि इनसे पहले बांगड़ अस्पताल में डॉक्टर हजारीमल चैधरी अधीक्षक थे जिनके कार्यकाल में बांगड़ अस्पताल में विकास का कार्य बहुत हो रहा था और किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं थी लेकिन मौजूदा अधीक्षक कैलाश परिहार के इस ठंडे कार्यकाल में चारों तरफ पूरे बांगड़ अस्पताल में असुविधाओं की भरमार है। कर्मचारी और अधिकारी अपनी मर्जी से अस्पताल को चला रहे हैं यहां तक कि संविदा कर्मचारी भी मरीजों व उनके परिजनों से सीधे मुंह बात नहीं करते। इसकी वजह से पूरे बांगड़ अस्पताल में एक अजीब सा माहौल बन चुका है, हमने कई बार वर्तमान अधीक्षक डॉक्टर कैलाश परिहार को इन समस्याओं का फीडबैक दिया और उनसे निवेदन किया कि आप बांगड़ अस्पताल में नियमित औचक निरीक्षण करे लेकिन उन्होंने इन बातों को गम्भीरता से नहीं लिया इसलिए आज मजबूर होकर हम सब कार्यकर्ताओं ने पत्र भेजने का निर्णय लिया है और बताया कि चिकित्सा मंत्री एक बार पाली आने का अपना कार्यक्रम बनाए और बांगड़ अस्पताल पहुंचकर औचक निरीक्षण करे तथा जरूरत पड़े तो बांगड़ अस्पताल के अधीक्षक को बदले और काम करने वाले डॉक्टर को ही अधीक्षक बनाए ताकि मरीजों तथा उनके परिजनों को राहत मिल सके। ज्ञापन में मांगे कुछ इस प्रकार रही -1. सरकार ने सारी जांचे और दवाइयां फ्री कर रखी है लेकिन जब मरीज को पाली के बांगड़ अस्पताल में 48 नंबर कमरे से कम्प्युटर में एंट्री करने के बाद छुट्टी मिलती है तो उसे दवाइयों के डिस्चार्ज कार्ड जिस पर दवाइयां लिखी होती है उन दवाइयों को प्राप्त करने के लिए उस डिस्चार्ज कार्ड की फोटो कॉपी करवाने के लिए बांगड़ अस्पताल से बाहर जाना पड़ता है और फिर दवाइयां लेने के लिए फोटो कॉपी लेकर वापस आना पड़ता है तब जाकर उसे दवाइयां मिलती है जबकि 48 नंबर कमरे में ही फोटो कॉपी की मशीन लगी हुई है तो 48 नंबर कमरे वालों को पाबंद किया जाए कि भर्ती मरीज को छुट्टी देते वक्त उसे डिस्चार्ज कार्ड पर जो दवाइयां लिखी हुई है उसकी फोटो कॉपी भी करके दे ताकि मरीज को और उसके परिजन को भारी परेशानी से बचाया जा सके। बांगड़ अस्पताल में व्हील चेयर की संख्या बहुत कम है इस वजह से घुटनों के दर्द से या बुढ़ापे के कारण चलने फिरने में जो लोग असमर्थ हैं उनको व्हील चेयर नहीं मिल पाती है। इस कारण मरीज के परिवारजन उन्हें लेकर बांगड़ अस्पताल में डॉक्टर के पास या जांच केंद्र तक आसानी से नहीं ले जा पाते हैं। व्हील चेयर पहले से ही बांगड़ अस्पताल में बहुत कम है फिर भी कर्मचारी लोग व्हील चेयर पर सामान लाने व ले जाने में व्हील चेयर काम में ले रहे हैं और घुटनों के दर्द से पीड़ित या बुढ़ापे से परेशान हमारे बुजुर्गों को व्हील चेयर नहीं मिलती है उन्हें स्ट्रेचर पर ले जाने की सलाह दी जाती है।

साकेत सहित संस्थान के उपाध्यक्ष नारायण सिंह राव निरंकार को कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया गया था

चीफ ब्यूरो किशन पालीवाल आमेट

आमेट =साकेत सहित संस्थान के उपाध्यक्ष नारायण सिंह राव "निराकार"मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी आमेट के रूप में अपना पढ़िए दायित्वों का श्रेष्ठ एवं जिम्मेदारी पूर्ण निर्वाहन करने पर जिला कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया गया। जिला कलेक्टर राजसमंद द्वारा नारायण सिंह राव को सम्मान प्रदान करने पर साकेत सहित संस्थान की जिला अध्यक्ष वीना वैष्णव रागिनी में कहा कि यह सामान उनके पद का नहीं बल्कि कर्म और निष्ठा दायित्वबोध का प्रमाण है।

यह उपलब्धि साकेत सहित संस्थान के अत्यंत गर्व और खुशी का विषय है। नारायण सिंह राव का व्यक्तित्व अत्यंत सरल सहज और प्रेरणादायक है। साकेत सहित संस्थान की नई इन्हीं के द्वारा रखी गई

जो आज पूरे जिले में पुष्पित

पल्लवित होकर साहित्य संस्कृति और मूल्यों को प्रसार कर रही है यह सम्मान न केवल आपकी प्रशंसक दक्षता का परिचायक है बल्कि यह सिद्ध करता है कि जब संवेदनशील मनऔर जिम्मेदारी सोच किसी पद के लिए जुड़ती है कार्य स्वयं आदर्श बन जाता है। साकेत सहित संस्थान को आप पर गर्व है और यह सामान हम सभी के लिए प्रेरणा है।

वृंदावन में हाई पावर कमेटी सदस्य को कथित धमकी, बांके बिहारी कॉरिडोर विवाद फिर सुर्खियों में

कर्मपालसिंह सवाली

वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने हेतु सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित हाई पावर मैनेजमेंट कमेटी से जुड़े एक सदस्य को कथित रूप से धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद मंदिर कॉरिडोर और प्रबंधन सुधार को लेकर चल रहा विवाद फिर चर्चा में आ गया है तथा प्रशासन पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बढ़ा है। पीड़ित कमेटी सदस्य दिनेश गोस्वामी ने आरोप लगाया है कि 15 फरवरी 2026 को दोपहर में कुछ महिलाएँ उनके आवास के नीचे स्थित एक प्रतिष्ठान में पहुँचीं और अभद्र व्यवहार करते हुए कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणियाँ कीं तथा धमकी दी। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ अन्य लोग पास में मौजूद थे, जिन्हें सीसीटीवी फुटेज में पहचाने जाने की बात कही जा रही है। पीड़ित ने स्वयं को असुरक्षित बताते हुए पुलिस से सुरक्षा उपलब्ध कराने और मामले में विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है। दूसरी ओर, संबंधित पक्षों की ओर से इन आरोपों पर औपचारिक प्रतिक्रिया सामने आना शेष है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार शिकायत प्राप्त होने पर तथ्यों की

जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज सहित उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण किया जाएगा।

कॉरिडोर और प्रबंधन सुधार की पृष्ठभूमि : ज्ञात हो कि मंदिर में बढ़ती भीड़, सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन सुधार के मुद्दों को लेकर उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद एक हाई पावर कमेटी गठित की गई थी। इसी क्रम में प्रस्तावित कॉरिडोर और व्यवस्थागत बदलावों को लेकर विभिन्न पक्षों में मतभेद भी सामने आए हैं। कुछ स्थानीय समूहों और सेवायत परिवारों ने आशंकाएँ जताई हैं, जबकि प्रबंधन से जुड़े लोग इसे व्यवस्थाओं के आधुनिकीकरण और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक बता रहे हैं। पूर्व में भी वीआईपी कार्यक्रमों के दौरान अव्यवस्था और विरोध की घटनाएँ चर्चा में रही हैं। ऐसे में ताज़ा आरोपों ने माहौल को और संवेदनशील बना दिया है।

प्रशासनिक जिम्मेदारी और कानूनी प्रक्रिया : पीड़ित पक्ष का कहना है कि यदि धमकियों के कारण कमेटी सदस्य बैठक में शामिल नहीं हो पाते, तो यह न्यायालयीय निर्देशों के क्रियान्वयन में बाधा होगी। वहीं स्थानीय नागरिकों का मानना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है ताकि किसी भी प्रकार की अराजकता से मंदिर परिसर और श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रभावित न हो। नरेंद्र मोदी विकास मिशन की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मधु ठाकुर ने पत्रकारों से बातचीत में घटना की निंदा करते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। क्या जांच के बाद दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे? क्या विवादित मुद्दों पर संवाद और कानून के दायरे में समाधान तलाशा जाएगा?

युवा संगठन की रीड की हड्डी : ठा. अभिमन्युसिंह

गणपत पटेल (मांडावास को कार्यकारी जिला अध्यक्ष बनने पर युवाओं में हर्ष की लहर, बधाईयां दी

कर्मपालसिंह सवाली

पाली। बाली विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेता ठा.अभिमन्युसिंह (फालना गांव) ने युवा साथी गणपत पटेल (मांडावास) को जिला - पाली छात्र संगठन (NSUI) का कार्यकारी जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर बधाईयां दी, उन्होंने कहा गणपत पटेल लंबे समय से युवाओं की अधिकारों के लिए पूरे निष्ठावान होकर अपना कर्तव्य निभाने के लिए पूरे जज्बे के कार्य कर रहे हैं, यूवाओ में उच्च शिक्षा और राष्ट्र प्रेरणा मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान निभाने के लिए पहल करेंगे, और युवा संगठन की रीड की हड्डी है,उन्होंने कहा हमें पूर्ण विश्वास है कि आप संगठन को सशक्त बनाएंगे तथा अपने दायित्वों का निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। और युवा ही बड़े बदलाव की ताकत है।

एसटी सिक्योरिटी को डिजिटल प्रोटेक्शन

नए सीसीटीवी प्रोजेक्ट' से पैसेंजर्स को मिलेगी अदृश्य सुरक्षा : परिवहन मंत्री

तरुण मित्र ब्यूरो

मुंबई। राज्य के कोने-कोने में चलने वाली 'लालपरी' की सिक्योरिटी को अब लेटेस्ट टेक्नोलॉजी का सहारा मिलेगा। आतंकवादियों और असामाजिक तत्वों के संभावित खतरों को देखते हुए, महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एसटी) ने एक बड़ा 'नया सीसीटीवी प्रोजेक्ट' शुरू किया है। इस प्रोजेक्ट के ज़रिए, एसटी बस स्टैंड से लेकर डिविजनल ऑफिस तक सभी ज़रूरी जगहों पर डिजिटल निगरानी का एक ऐसा नेटवर्क बनाया जाएगा जो अदृश्य होगा। यह जानकारी परिवहन मंत्री एवं एसटी कॉर्पोरेशन के चेयरमैन प्रताप सरनाईक ने दी। मंत्री सरनाईक ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता देते हुए, महाराष्ट्र सरकार ने इस परियोजना के लिए 111 करोड़ के फंड का प्रावधान किया है। इस फंड की

मदद से, एसटी बस स्टैंड, डिपो, डिविजनल वर्कशॉप, सेंट्रल वर्कशॉप, डिविजनल ऑफिस और सेंट्रल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट भोसरी जैसी संवेदनशील जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्लान बनाया गया है। 633 जगहों पर कुल 7035 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे एसटी की हर हरकत पर लगातार डिजिटल नज़र रखी जा सकेगी। इस प्रोजेक्ट की ज़िम्मेदारी ई-टेंडरिंग प्रोसेस से चुनी गई एक अनुभवी संस्था, टेलीकम्युनिकेशन कंसल्टेंट इंडिया लिमिटेड को सौंपी गई है। उनके ज़रिए प्रोजेक्ट का काम तेज़ी से और असरदार तरीके से चल रहा है, और इस प्रोजेक्ट का कुल समय 1 साल तय किया गया है।

> नया सीसीटीवी प्रोजेक्ट' सिर्फ कैमरे लगाने की पहल नहीं है, यह एक ऐतिहासिक मील का पत्थर होगा, जो एसटी सिक्योरिटी को एक डिजिटल शील्ड देगा और पैसेंजर के भरोसे को नई मजबूती देगा। इससे 'लाल परी' का सफर अब न सिर्फ तेज होगा, बल्कि ज्यादा सुरक्षित, ज्यादा भरोसेमंद और टेक्नोलॉजी से लैस भी होगा। यही इस प्रोजेक्ट की असली सफलता की कहानी होगी।
>
> **-प्रताप सरनाईक, परिवहन मंत्री**

सेंट्रल कंट्रोल रूम, जो इस प्रोजेक्ट की मेन रीढ़ होगा, मुंबई में बनाया गया है, और इसकी टेस्टिंग पूरी हो चुकी है।

इस कंट्रोल रूम से पूरे राज्य में सीसीटीवी कैमरों पर सेंट्रलाइज्ड तरीके से नज़र रखी जाएगी। इससे किसी भी शक वाली हरकत की तुरंत पहचान और ज़रूरी कार्रवाई की जा सकेगी। पायलट प्रोजेक्ट फ़ेज़ में, मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर डिवीज़न में 64 ज़रूरी जगहों पर सीसीटीवी सिस्टम कामयाबी से लगाए गए हैं, जिससे सुरक्षा को एक नई दिशा मिली है। बाकी 27 डिवीजनों के साथ-साथ अलग-अलग वर्कशॉप और ऑफिस में सीसीटीवी लगाने का काम अभी पूरी स्पीड से चल रहा है। इस प्रोजेक्ट से एसटी बस स्टैंड और ऑफिस में सिक्योरिटी का एक नया दौर शुरू होगा। पैसेंजर का भरोसा मजबूत होगा और किसी भी अनहोनी पर तुरंत कंट्रोल हो जाएगा।

ठाणे में संदिग्ध टीबी मरीजों की रिकॉर्ड नोंदणी, आशा कार्यकर्ताओं का विशेष सम्मान

तरुणमित्र सारा पुरी

ठाणे : ठाणे महानगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे क्षयरोग (टीबी) उन्मूलन अभियान में आशा कार्यकर्ताओं ने निर्धारित लक्ष्य से कहीं अधिक काम कर मिसाल पेश की है। 10 दिनों में 150 संदिग्ध मरीजों की नोंदणी का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन आशा सेविकाओं ने एक हजार से अधिक संदिग्ध मरीजों को चिन्हित कर उनकी नोंदणी की। इस उल्लेखनीय कार्य के लिए सोमवार को उनका विशेष सम्मान किया गया। शहर में टीबी संक्रमण पर नियंत्रण के लिए महापालिका के स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक जांच अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष 2024 में शहर में 8 हजार 500 से अधिक टीबी मरीज पाए गए थे, जिनमें 14 की मृत्यु हुई थी। वहीं जनवरी से अक्टूबर के 10 माह की अवधि में 7 हजार 556 मरीजों की पहचान की गई, जिनमें 5 लोगों की मौत दर्ज की गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, समय पर जांच और उपचार से टीबी पूरी तरह ठीक हो सकती है। इसी उद्देश्य से घर-घर जाकर सर्वे और संदिग्धों की पहचान का अभियान चलाया गया। अभियान के तहत आशा कार्यकर्ताओं को 10 दिनों में 150 संदिग्ध मरीजों की नोंदणी का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन उन्होंने लक्ष्य से कई गुना अधिक कार्य करते हुए हजार से अधिक लोगों की नोंदणी सुनिश्चित की। उनके इस समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए महापालिका के कै. नरेंद्र बल्लाळ सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 20 प्रतिनिधि आशा सेविकाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महापौर शर्मिला पिंपळोलकर और उपमहापौर कृष्णा पाटील ने प्रशस्ति पत्र देकर उनका गौरव किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, मुख्य वैद्यकीय आरोग्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटील तथा छत्रपती शिवाजी महाराज रुग्णालय की अधिष्ठाता डॉ. स्वप्नाली कदम सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर ने कहा कि आशा सेविकाएं घर-घर जाकर नागरिकों से संवाद स्थापित कर न केवल जांच के लिए प्रेरित कर रही हैं, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी फैला रही हैं। उन्होंने निर्धारित लक्ष्य से अधिक काम कर अपनी जिम्मेदारी का उत्कृष्ट निर्वहन किया है। उपमहापौर ने भी आशा कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि महापालिका उनके साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्य वैद्यकीय आरोग्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटील ने बताया कि संदिग्ध टीबी मरीजों की पहचान और नोंदणी में आशा सेविकाओं की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही है। 10 दिनों में 150 की जगह हजार से अधिक नोंदणी होना इस अभियान की बड़ी सफलता है। महापालिका ने नागरिकों से अपील की है कि टीबी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराएं, ताकि समय रहते उपचार शुरू कर संक्रमण को रोका जा सके।

सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में शिवसेना शिंदे गुट के नगरसेवक समेत तीन पर मामला दर्ज

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। नवी मुंबई के रबाले एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में सरकारी अधिकारी के काम में बाधा डालने और आरक्षित वन क्षेत्र से जब्त किए गए जेसीबी को जबरन छुड़ा ले जाने के आरोप में शिवसेना (शिंदे गुट) के वर्तमान नगरसेवक ममित चौगुले और उनके साथियों पर मामला दर्ज किया गया है. यह शिकायत कलवा क्षेत्र के वन मंडल अधिकारी संदीप सीताराम मोरे ने दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार, रबाले एमआईडीसी के अंतर्गत आने वाले यादवनगर और इलठणपाडा स्थित सर्वे नंबर 97 की आरक्षित वन भूमि पर अवैध रूप से कंक्रीट सड़क बनाने और खुदाई का काम चल

रहा था. सोमवार दोपहर करीब 4 बजे, वन विभाग की टीम ने मौके पर छापेमारी की. वहां दो जेसीबी मशीनों के जरिए खुदाई की जा रही थी. वन विभाग के अधिकारियों ने मौके से जेसीबी को पंचनामा कर अपनी हिरासत में ले लिया. जब अधिकारी जब्त किए गए जेसीबी को लेकर तलोजा रोड स्थित अपने कार्यालय जा रहे थे, तभी रबाले एमआईडीसी में सिंडिकेट कंपनी के पास ममित चौगुले वहां पहुंचे. आरोप है कि उन्होंने अधिकारियों से बहस की और उनके अधिकार पर सवाल उठाए. इस दौरान उन्होंने वन विभाग के एक कर्मचारी का कॉलर पकड़कर उसे जेसीबी से नीचे खींच लिया और उसका मोबाइल फेंक दिया. इसके बाद, चौगुले और जेसीबी चालक अनंत धोत्रे वन विभाग की हिरासत से एक जेसीबी लेकर फरार हो गए. इस मामले में रबाले एमआईडीसी पुलिस ने मंगलवार को ममित चौगुले, जेसीबी चालक अनंत धोत्रे और सुपरवाइजर बालू शंकर बाबरे के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

श्वान नसबंदी केंद्र में भ्रष्टाचार और लापरवाही के विरोध में शिवसेना ठाकरे गुट का ज्ञापन

तरुणमित्र / ब्यूरो : भिवंडी: भिवंडी पालिका द्वारा शुरू किए गए श्वान नसबंदी केंद्र में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के जिलाप्रमुख मनोज गगे ने पालिका आयुक्त और पुलिस उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा है। मनोज गगे ने आरोप लगाया कि नसबंदी केंद्र में लाए जाने वाले आवारा कुत्तों की देखभाल, निगा और स्वच्छता का ठीक से पालन नहीं किया जा रहा है। वहां कुत्तों को पर्याप्त भोजन और पानी भी नहीं दिया जा रहा, जिससे उनकी हालत खराब हो रही है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि नसबंदी के बाद कुत्तों का समुचित उपचार नहीं किया जाता। जिन क्षेत्रों से कुत्तों को पकडकर लाया जाता है, नसबंदी के बाद उन्हें उसी स्थान पर छोड़ने के बजाय किसी अन्य इलाके में छोड़ दिया जाता है। इससे कुत्तों में मानसिक विकृति उत्पन्न हो रही है और शहर में श्वान दंश की घटनाएं बढ़ रही हैं।

महाशिवरात्रि विशेष : पालघर पीठ द्वारा त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग धाम में की गयी विशेष पूजा, अभिषेक

तरुणमित्र -ओमप्रकाश द्विवेदी

पालघर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग धाम में समस्त अखाड़ों के प्रमुख संतों द्वारा श्रद्धा और उत्साह पूर्वक कुशावर्त कुंड में स्नान के बाद त्र्यंबकेश्वर महादेव का दर्शन, जलाभिषेक संपन्न हुआ। इस सुअवसर पर 'श्री हरिनारायण सेवा संस्था पालघर पीठ द्वारा लोककल्याण,सामाजिक समरसता, युवा जागरण के साथ संस्कृति एवं संस्कार संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित विशेष पूजन अभिषेक के दिव्य आयोजन के जरिए विराजमान संतों का आशीर्वाद एवं मंगलकामनाएं समस्त संसार को प्राप्त हुई। पालघर पीठाधीश्वर ब्रह्मर्षि योगिराज श्री भारत भूषण भारतेंदु जी

महाराज ने समाज में शांति, सद्भाव और संस्कार आधारित जीवन मूल्यों के प्रसार का संकल्प दुहराते कहा कि "जहां समाज में कभी भय और विघटन का वातावरण था,अब वहां सेवा, संस्कार और समरसता का प्रकाश फैलाना हमारा निश्चय बन गया है। पालघर पीठ समाज को जोड़ने, युवाओं को दिशा देने तथा संस्कृति को सशक्त बनाने का कार्य निरंतर बढ़ायेगा।"

पालघर पीठाधीश्वर ने घोषणा किया कि पालघर पीठ निकट भविष्य में नशामुक्ति, युवा मार्गदर्शन, संस्कार जागरण और सामाजिक समरसता से जुड़े राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आरंभ करेगा। इस मौके पर योगिराज की बांसुरी की मधुर धुन ने उपस्थिति श्रद्धालुओं और संत गणों को काफी मंत्रमुग्ध भी किया। इस अवसर पर श्री आदिनाथ अखाड़ा,श्री नवनाथ धाम त्र्यंबकेश्वर के महंत श्री विश्वनाथ जी महाराज ने पालघर पीठ से पधारे संतो एवं श्रद्धालुओं का स्वागत एवं सम्मान करते विश्व कल्याण की कामना की। पालघर पीठ के गुरुकुल कुलपति राममणि त्रिपाठी ने कहा कि जिस पालघर को कभी नाकारात्मक प्रचार से जोड़ा गया, वहीं अब आगामी १२ अप्रैल को पालघर पीठ में आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रम के बाद धर्म और संस्कृति की पवित्र गंगा प्रवाहित होगी।

मदद का झांसा देकर लूट करने वाला शातिर ठग सलाखों के पीछे

तरुणमित्र / संवाददाता

मुंबई - एक महिला के परिचित मित्र को लयन क्लब ऑफ मुंबई की ओर से 2 लाख रुपये की मदद दिलाने का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को महिम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम अतिश खेडकर उर्फ सुरेश पांडे है। फिलहाल उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, उसने इसी तरह से अब तक 8 अन्य लोगों को भी ठगा है।बताया गया है कि आरोपी सुश्रूषा हॉस्पिटल 1 में काम करता था और वहीं रहते हुए इस तरह के अपराध करता था, जिसके चलते उसे नौकरी से निकाल दिया गया था।इस मामले में शिकायतकर्ता गौरव कृष्ण मेहेर माहिम के फिशरमैन कॉलोनी में रहते हैं और माहिम की एक आईटी कंपनी में कार्यरत हैं। 11 फरवरी को, जब वे अपने कार्यालय में थे, तब उन्हें सुरेश पांडे नामक व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को दादर स्थित सुश्रुषा अस्पताल से बोलने वाला बताया। उसने कहा कि 5 फरवरी 2024 को गौरव की एक मित्र को दुर्घटना के बाद उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और इलाज के दौरान 4 मार्च 2024 को उसकी मृत्यु हो गई। आरोपी ने दावा किया कि वह उस समय अस्पताल की ब्लड बैंक में काम करता था और अस्पताल को लायन्स क्लब ऑफ मुंबई के माध्यम से मरीजों के लिए 20 लाख रुपये का फंड मिला है, जिसमें से प्रत्येक पात्र केस को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जानी है। उसने कहा कि यह सहायता गौरव की मित्र के निधन के बाद उनके केस में दी जाएगी। गौरव ने यह राशि लेने से इनकार कर दिया, लेकिन आरोपी लगातार दबाव डालता रहा। इसके बाद गौरव ने अपनी मित्र की बहन को फोन कर जानकारी दी। उसने भी पैसे लेने से मना करते हुए यह राशि अन्य मरीजों की मदद में लगाने का अनुरोध किया। इसके बावजूद आरोपी लगातार फोन करता रहा।आरोपी ने कहा कि यह राशि पाने के लिए 10 हजार रुपये रजिस्ट्रेशन फीस के रूप में जमा करनी होगी और उसने एक बैंक पासबुक की फोटो भेजी, जिसमें खाताधारक का नाम अतिश खेडकर दिखाई दे रहा था। पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि अतिश खेडकर उसके वरिष्ठ अधिकारी हैं। इस पर गौरव ने दिए गए खाते में 10 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। राशि भेजने के बाद आरोपी ने ईमेल के जरिए एक रसीद भेजी, जो सुश्रुषा अस्पताल की प्रतीत हो रही थी। अगले दिन आरोपी ने फिर फोन कर जीएसटी टैक्स के नाम पर 20 हजार रुपये और मांगे। यह बात संदिग्ध लगने पर गौरव ने अपने मित्र सोन करुणामूर्ति को सुश्रुषा अस्पताल भेजकर जांच करवाई। अस्पताल में पूछताछ करने पर पता चला कि लायन्स क्लब के माध्यम से ऐसा कोई फंड नहीं आया है और न ही किसी मृत व्यक्ति के परिजनों को इस तरह की सहायता दी जाती है।

कलंबोली में चुनावी रंजिश के चलते भाजपा कार्यकर्ता की कार में तोड़फोड़,

तरुणमित्र/ब्यूरों

नवी मुंबई। नवी मुंबई से सटे पनवेल के कलंबोली क्षेत्र में राजनीतिक रंजिश का एक गंभीर मामला सामने आया है. सेक्टर 15 स्थित हंसध्वनी सोसाइटी में सोमवार देर रात करीब पौने दो बजे कुछ अज्ञात हमलावरों ने भाजपा कार्यकर्ता की कार में जमकर तोड़फोड़ की. इस घटना के बाद कलंबोली पुलिस ने शिवसेना (शिंदे गुट) से जुड़े दो नामजद पदाधिकारियों सहित 5 से 6 अज्ञात लोगों के खिलाफ कंलबोली पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता अजीत कुंडलीक भानुसे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं. वहीं आरोपी किरण तानाजी पाटील और सुमित मारुति मेटकरी शिवसेना (शिंदे गुट) से जुड़े बताए जा रहे हैं. बताया जा रहा है कि सांगली जिले के आटपाडी तालुका में हुई जिला परिषद चुनाव की हार को लेकर दोनों गुटों में पहले से विवाद चल रहा था. इसी पुरानी खुन्नस को लेकर आरोपी एक थार कार में सवार होकर सोसाइटी पहुंचे. वारदात के समय आरोपियों ने सुरक्षा नियमों को ताक पर रखकर जबरन सोसाइटी के एग्जिट गेट से प्रवेश किया. जब वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों—सुरेश माली, जनार्दन गुप्ता और दिलचंद रामप्रसाद ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो हमलावरों ने उन्हें चाकू और लकड़ी के डंडों के बल पर डराकर पीछे हटा दिया. इसके बाद आरोपियों ने शिकायतकर्ता की मारुति अर्टिगा कार के आगे, पीछे और किनारों के सभी कांच फोड़ दिए और नंबर प्लेट भी तोड़ दी. इस हमले में कार का भारी नुकसान हुआ. कलंबोली पुलिस ने इस मामले में कानून की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है. फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है और सोसाइटी में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अन्य हमलावरों की पहचान की जा सके।

शिवजयंती पर ठाणे में 'शिवशंभू गाथा' का भव्य आयोजन, विद्यार्थियों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील

तरुणमित्र सारा पुरी

ठाणे: छत्रपति शिवाजी महाराज के गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र शासन के सांस्कृतिक कार्य संचालनालय और जिला प्रशासन ठाणे के संयुक्त तत्वावधान में शिवजयंती के उपलक्ष्य में भव्य ऐतिहासिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'शिवशंभू गाथा' का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने ठाणे जिले के अधिक से अधिक शालेय विद्यार्थियों से इस कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। यह विशेष कार्यक्रम आज बुधवार, 18 फरवरी को सुबह 11.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक राम गणेश गडकरी रंगायतन, ठाणे में आयोजित होगा। कार्यक्रम के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज और शिवपुत्र संभाजी महाराज के पराक्रम, त्याग और स्वराज्य की प्रेरणादायी गाथा को गीत, पोवाड़े, कथावाचन और नृत्य प्रस्तुति के जरिए जीवंत किया जाएगा। इसके अलावा 19 फरवरी को सुबह 11.00 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय स्थित नियोजन भवन में भी शिवजयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिला प्रशासन का मानना है कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपने इतिहास, संस्कृति और स्वाभिमान की सशक्त पहचान मिलती है। जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, उपजिलाधिकारी (सामान्य प्रशासन) रूपाली भालके तथा तहसीलदार सचिन चौधर और संदीप थोरात ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से इस सांस्कृतिक आयोजन में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से इतिहास को जीवंत करेंगे। "कलर्स मराठी गौरव महाराष्ट्राचा" के महाविजेता वैभव थोरात, "सोनी टीवी मराठी इंडियन आइडल" के विजेता सागर म्हात्रे और रोहित पाटील अपनी गायकी से समां बांधेंगे। इसके साथ ही सुप्रसिद्ध गायिका मैथिली भगत, पूजा म्हात्रे तथा कथावाचक कल्पेश डुकले की प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। जिला प्रशासन ने कहा है कि यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, प्रेरणा और राष्ट्रगौरव का अद्वितीय अवसर साबित होगा।

श्मशानभूमि कर्मचारियों के लिए बनी इमारत में नशेड़ियों का अड्डा

तरुणमित्र / रामकुमार मधुकर

मुंबई : विक्रोली पूर्व के टैगोर नगर स्थित ग्रुप-7 में पालिका द्वारा श्मशानभूमि कर्मचारियों के लिए तीन वर्ष पहले चार मंज़िला इमारत का निर्माण किया गया था। लेकिन अब तक किसी भी कर्मचारी ने इन घरों का कब्ज़ा नहीं लिया है। नतीजतन, इमारत की कई कमरों पर नशेड़ियों ने कब्ज़ा कर उसे अपना अड्डा बना लिया है।स्थानीय कार्यकर्ताओं का आरोप है कि नशेड़ियों ने इमारत के भीतर मौजूद सारा सामान चोरी कर लिया है। इस संबंध में पालिका और पुलिस में शिकायतें

देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बताया गया है कि श्मशानभूमि परिसर में स्थित पालिका कर्मचारियों की इस वसाहत का पुनर्विकास हुए पूरे तीन वर्ष हो चुके हैं, लेकिन आज तक एक भी कर्मचारी यहां रहने नहीं आया। प्रशासनिक लापरवाही का फायदा उठाते हुए नशा करने वाले युवकों ने पिछले कुछ महीनों से इस इमारत पर कब्ज़ा कर लिया है। इमारत के हर कमरे से नल, पंखे, लाइटें, वायर, मीटर बॉक्स आदि सामग्री निकालकर चोरी कर

बेच दी गई है।इतना ही नहीं, यह इमारत अब खुलेआम नशेड़ियों के लिए ड्रग्स का अड्डा बन चुकी है।

खास बात यह है कि इमारत के पास सड़क किनारे सरकारी सीसीटीवी कैमरे कार्यरत होने के बावजूद इन सभी अवैध गतिविधियों पर प्रशासन द्वारा जानबूझकर अनदेखी किए जाने का आरोप शिवसेना (शिंदे गुट) के उत्तर-पूर्व मुंबई युवा सेना सचिव गणेश रोकड़े ने लगाया है। इस घटना से इलाके के नागरिक, महिलाएं और बच्चे भयभीत हैं, वहीं क्षेत्र में कानून-व्यवस्था का गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। रोकड़े ने कहा कि लिखित शिकायत देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने पालिका और पुलिस के सामने कई सवाल उठाए हैं—तीन साल तक स्टाफ क्वार्टर खाली क्यों रखे गए, सरकारी सीसीटीवी कैमरे चालू होने के बावजूद सार्वजनिक संपत्ति पर नशेड़ियों का कब्ज़ा कैसे हुआ, लिखित शिकायतों के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं हुई, और यदि भविष्य में कोई गंभीर घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी।

छत्रपति शिवराय के दर्शन से लौट रहे दो युवकों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडी: भिवंडी तालुका के मराडे पाडा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर में दर्शन करने गए दिवा के दो युवकों की घर लौटते समय सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा रविवार रात वेहले रोड पर हुआ। घटना से दिवा गांव में शोक की लहर फैल गई है। मृतकों की पहचान आयुष विजय जाधव (19) और उसके मित्र ऋषिकेश राजेश जाधव (25) के रूप में हुई है। इस मामले में नारपोली पुलिस थाने में दुर्घटना का मामला दर्ज किया गया है तथा हादसे के लिए जिम्मेदार डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक ठाणे के दिवा आघासन क्षेत्र के निवासी थे। रविवार शाम वे अपने मित्रों के साथ दोपहिया वाहन से मराडे पाडा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर में दर्शन के लिए गए थे। रात करीब 11:30 बजे घर लौटते समय डोंबिवली की ओर जाने वाले रास्ते पर वेहले स्थित खुशी एक्सेस वर्ल्ड के पास उनकी बाइक स्पीड ब्रेकर पर फिसल गई। संतुलन बिगडने से दोनों युवक सामने विपरीत दिशा में खड़े डंपर (एमएच 05 डीके 3999) से जा टकराए। हादसे में अत्यधिक रक्तस्राव के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों के मित्र आदित्य विजय आधव (21) ने अपनी शिकायत में कहा है कि डंपर चालक ने वाहन गलत दिशा में खड़ा किया था, जिससे यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ नारपोली पुलिस थाने में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

संपादकीय

मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम

कोरियन लवर गेम के चलते गाजियाबाद की तीन बहनों की खुदकुशी ने आज के हालात और बच्चों की बदलती मानसिकता को लेकर झकझोर कर रख दिया है। अभी तीन बहनों की चिता की आग ठंडी भी नहीं हुई कि ऑनलाइन गेम के चलते मेरठ का 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ हेडफोन लगाकार गेम खेलते खेलते ही बेहोश होकर गिर गया और ब्रेन हेमरेज होने से मौत के आगोश में समा गया। इसे इंटरनेट गेमिंग डिसआर्डर के रुप में देखा व समझा जा सकता है। इस तरह की घटनाएं देश-दुनिया में आये दिन हो रही है और इनमें से कुछ ही घटनाएं हमारे सामने आ पाती है। ऐसा नहीं है कि ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के बच्चे या युवा आ रहे हों अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो-चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है। हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क से संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दिनों ऑनलाइन गेम से ग्रसित बच्चे द्वारा नींद में फायर-फायर चिल्लाने का समाचार आम होता देखा गया। दरअसल, ऑनलाइन गेम मनोस्थिति को इस कदर प्रभावित कर देते हैं कि उठते-बैठते टास्क ही टास्क दिमाग में घूमता रहा है। इसी कारण से दुनिया के कई देशों में बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग को लेकर सख्ती या रोक जैसे कदम उठाने शुरु किये हैं। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिट्रेन, सिंगापुर दक्षिण कोरिया आदि देश इस दिषा में सक्रिय हुए हैं। दरअसल, देखा जाएं तो आनलाइन गेम की लत अन्य नशों से भी अधिक गंभीर होती जा रही है। माना जाता है कि दुनिया के देशों में 1982 में आनलाइन गेमिंग के चलते पहली मौत का मामला सामने आया था जबकि उस समय तो इंटरनेट की पहुंच एक प्रतिशत तक भी नहीं थी।

एआई इम्पैक्ट 2026: मानव सभ्यता के द्वार पर दस्तक देती कृत्रिम बुद्धि

बिनोद लाकियावाला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया,तो यह केवल दीप प्रज्ज्वलन नहीं था,बल्कि उस भविष्य का उद्घाटन था जिसमें मशीनें केवल उपकरण नहीं, बल्कि मानव निर्णय,शासन, अर्थव्यवस्था और चेतना की संरचना में सहभागी होंगी।भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह आयोजन एक प्रयोगशाला नहीं,बल्कि एक प्रयोग-भूमि है, जहाँ करोड़ों जीवन की दिशा तय होनी है। नई दिल्ली में 16 से 20 फरवरी 2026 के बीच आयोजित 'एआई इम्पैक्ट 2026' केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं,बल्कि मानव सभ्यता के इतिहास में एक नए अध्याय का उद्घोष है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया, तो यह केवल दीप प्रज्ज्वलन नहीं था, बल्कि उस भविष्य का उद्घाटन था जिसमें मशीनें केवल उपकरण नहीं, बल्कि मानव निर्णय,शासन, अर्थव्यवस्था और चेतना की संरचना में सहभागी होंगी। .भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह आयोजन एक प्रयोगशाला नहीं,बल्कि एक प्रयोग-भूमि है, जहाँ करोड़ों जीवन की दिशा तय होनी है।

प्रधानमंत्री ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में एआई को 'विकसित भारत' की धुरी बताते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धि केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानव क्षमता के विस्तार का माध्यम है। उनका यह कथन प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक था।भारत की जनसंख्या एक ओर भार है,तो दूसरी ओर मानव पूंजी का महासागर। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी महासागर को दिशा देने का आह्वान है। यह आयोजन उस राष्ट्रीय आकांक्षा का मंच है जिसमें भारत केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक एआई नेतृत्वकर्ता बनने का संकल्प ले रहा है।एआई के संदर्भ में भारत की स्थिति अद्वितीय है। एक ओर विशाल युवा जनसंख्या, दूसरी ओर डिजिटल बुनियादी ढाँचे का तीव्र विस्तार, और तीसरी ओर राजनीतिक इच्छाशक्ति।प्रधानमंत्री मोदी का 'मिशन एआई' केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं, बल्कि गाँव, खेत,कारखाने, विद्यालय और शासन प्रणाली तक विस्तारित दृष्टि है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस दृष्टि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास है।

परंतु हर तकनीकी क्रांति के साथ आशंकाओं की आँधी भी आती है। औद्योगिक क्रांति ने श्रमिक वर्ग को विस्थापित किया था, सूचना क्रांति ने ज्ञान का केंद्रीकरण तोड़ा था, और अब एआई क्रांति मानव श्रम और मानव निर्णय दोनों को चुनौती दे रही है। भारत जैसे देश में जहाँ बेरोजगारी पहले से ही सामाजिक- आर्थिक तनाव का स्रोत है,वहाँ एआई का आगमन एक नई अनिश्चितता का संकेत भी है। क्या मशीनें करोड़ों नौकरियों को निगल जाएँगी? क्या मानव श्रम अप्रासंगिक हो जाएगा? क्या निर्णय-प्रक्रिया एल्गोरिद्म के हाथों में चली जाएगी? ये प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और राजनीतिक भी हैं।एआई इम्पैक्ट 2026 का केंद्रीय विमर्श इसी द्वंद्व पर केंद्रित है—संभावना और शंका, सफलता और संकट,विकास और विस्थापन। प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण इस द्वंद्व को स्वीकारते हुए आशावाद की ओर झुका हुआ था। उन्होंने कहा कि एआई मानव को विस्थापित नहीं, बल्कि सशक्त करेगा।यह कथन राजनीतिक रूप से आश्वस्तकारी है, परंतु सामाजिक यथार्थ में इसे मूर्त रूप देने के लिए नीतिगत क्रांति आवश्यक है।

भारत की विशाल जनसंख्या यदि प्रशिक्षित, कौशलयुक्त और डिजिटल रूप से सशक्त होती है, तो एआई क्रांति भारत को वैश्विक शक्ति बना सकती है। किंतु यदि यह जनसंख्या तकनीकी परिवर्तन से कट जाती है,तो वही जनसंख्या सामाजिक विस्फोट का कारण भी बन सकती है।एआई इम्पैक्ट 2026 इस दोराहे पर खड़े भारत का आत्ममंथन है।मानव संसाधन के संदर्भ में एआई का प्रभाव बहुआयामी है। शिक्षा प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाएँ, कृषि, उद्योग, प्रशासन, न्याय प्रणाली—सभी क्षेत्रों में एआई की भूमिका बढ़ रही है।भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, और अब एआई आधारित शासन मॉडल, एक नए सामाजिक अनुबंध की रचना कर रहे हैं।मोदी का मिशन इस अनुबंध को 'डिजिटल नागरिकता' के रूप में परिभाषित करता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी डिजिटल नागरिकता का वैश्विक विमर्श है।बेरोजगारी की आशंका को लेकर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की राय विभाजित है। कुछ का मानना है कि एआई करोड़ों नौकरियों को समाप्त कर देगा, जबकि अन्य का कहना है कि यह उतनी ही नई नौकरियाँ भी पैदा करेगा। भारत के संदर्भ में यह समीकरण अधिक जटिल है। यहाँ अनौपचारिक क्षेत्र, कृषि आधारित रोजगार और निम्न कौशल श्रमिकों की विशाल संख्या है। यदि एआई इन क्षेत्रों में बिना सामाजिक सुरक्षा के प्रवेश करता है, तो असमानता बढ़ेगी। एआई इम्पैक्ट 2026 में इस प्रश्न पर गहन चर्चा हो रही है कि कैसे कौशल पुनर्संरचना, जीवनपर्यंत शिक्षा और डिजिटल प्रशिक्षण के माध्यम से मानव संसाधन को एआई युग के अनुरूप ढाला जाए।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन में 'स्किल, स्केल और स्पीड' की त्रयी पर बल दिया। उनका तर्क था कि भारत को एआई में कौशल विकसित करना होगा, उसे बड़े पैमाने पर लागू करना होगा, और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में गति बनाए रखनी होगी। यह दृष्टि भारत को केवल तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय एआई नेतृत्वकर्ता बनाने की आकांक्षा भी रखती है।वैश्विक संदर्भ में एआई एक भू-राजनीतिक हथियार बन चुका है।अमेरिका, चीन, यूरोप और अन्य शक्तियाँ एआई को आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक प्रभुत्व के साधन के रूप में देख रही हैं। भारत की भूमिका अब केवल संतुलन कारी नहीं,बल्कि वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत करने की है। एआई इम्पैक्ट 2026 में भारत ने 'मानव-केंद्रित एआई' की अवधारणा को प्रमुखता से रखा है। यह अवधारणा एआई को मानव गरिमा, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के साथ जोड़ने का प्रयास है।

सफलता की संभावना विशाल है। कृषि में सटीक खेती, स्वास्थ्य में निदान की क्रांति, शिक्षा में व्यक्तिगत शिक्षण, शासन में पारदर्शिता, उद्योग में उत्पादकता—ये सभी एआई के उपहार हैं। भारत जैसे देश में जहाँ संसाधनों की कमी और जनसंख्या की अधिकता है, वहाँ एआई संसाधनों के कुशल उपयोग का माध्यम बन सकता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इन संभावनाओं को नीतिगत रोडमैप में बदलने का मंच है।

परंतु शंका भी उतनी ही गहरी है। डेटा की निजता, एल्गोरिद्मिक पक्षपात, निगरानी राज्य, डिजिटल उपनिवेशवाद—ये एआई युग के अंधेरे पक्ष हैं। भारत जैसे लोकतंत्र में जहाँ नागरिक अधिकारों की रक्षा सर्वोपरि है, वहाँ एआई का अनियंत्रित प्रयोग लोकतंत्र को भी चुनौती दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में 'ट्रस्ट और ट्रांसपेरेंसी' पर जोर देकर इस चिंता को स्वीकार किया।एआई इम्पैक्ट 2026 इसलिए केवल तकनीकी सम्मेलन नहीं, बल्कि सभ्यता का संवाद है। यह संवाद मानव और मशीन, लोकतंत्र और एल्गोरिद्म, बाजार और समाज, शक्ति और नैतिकता के बीच है। भारत इस संवाद में एक प्राचीन सभ्यता के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित है, जो तकनीक को साधन मानती है, साध्य नहीं।

इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत और शिक्षाविदों की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि एआई अब किसी एक देश या कंपनी का विषय नहीं, बल्कि मानवता का साझा भविष्य है।प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण भारत को इस साझा भविष्य के नैतिक मार्गदर्शक के रूप में प्रस्तुत करता है।

अंततः प्रश्न यह नहीं कि एआई आएगा या नहीं, बल्कि यह है कि मानवता उसे कैसे अपनाएगी। भारत जैसे देश के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहाँ तकनीक केवल सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का उपकरण भी हो सकती है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस संभावना, शंका और सफलता के त्रिकोण में खड़े मानव भविष्य का चिंतन है।

सत्य से प्यार करें और गलती को क्षमा कर दें
- वाल्टेयर
सीखने से मस्तिष्क कभी थकता नहीं
- अज्ञात

आज का राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, फाल्गुन शुक्ल पक्ष, शिशिर ऋतु, सूर्योदय पूर्वे, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथि प्रतिपदा, बुधवासरे, शतभिषा नक्षत्रे, शिशिर योगे, वल करणे, कुंभ की चंद्रमा, सायन मीने भानु 46/53 देव प्रतिष्ठा मुर्हूत जलखनन व्यापार मुर्हूत तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चलप, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शिक्षक, शिक्षाविद्, शिक्षाशास्त्री, पंडित, विद्वान, राजसी व्यापारी।

मेष राशि :- कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगी, अनावश्यक व्यय होगा, रुके कार्य बन जायेंगे।

वृष राशि :- दैनिक कार्यगति में सुधार होगा, सफलता के साधन जुटायें, कार्य व्यवसाय में लाभ होगा।

मिथुन राशि :- समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे, कार्यक्षेत्र में सफलता अवश्य मिलेगी।

कर्क राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थगित रखें, लेन-देन के मामले में हानि संभव है।

सिंह राशि :- सामाजिक कार्य में प्रभुत्व वृद्धि होगी, मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा इष्ट मित्रों से लाभ होगा।

कन्या राशि :- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, बड़े-बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा।

तुला राशि :- परिश्रम से सफलता संभावित हैं तथा आश्वासन से कार्य में विलम्ब होगा ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- भाग्य का सितारा साथ देगा, समय अनुकूल है रुके कार्य बना ही लें।

धनु राशि :- समय विशेष अनुकूल है, भाग्य का सितारा साथ देगा, विशेष कार्य बन जायेंगे।

मकर राशि :- समय अनुकूल नहीं, समय के साथ कार्य करते रहें थोड़ा लाभ अवश्य होगा।

कुंभ राशि :- विशेष कार्य करेंगे, अपेक्षाकृत अनुकूल समय तथा व्यवसाय के कार्य होंगे।

मीन राशि :- मित्र वर्ग से हर्ष, कार्य-व्यवसाय में समृद्धि के साधन अवश्य ही बनेंगे ध्यान दें।

बांग्लादेश के जेन-जी ने वंशवाद स्वीकार किया?

सनत जैन

बांग्लादेश में 2024 के जैन-जी विद्रोह के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। अब बांग्लादेश में नया चुनाव हो गया है। इस चुनाव में बांग्लादेश की वंशवादी पार्टी के वंशज तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी ले आगे आए हैं। बांग्लादेश में युवाओं ने वंशवादी पार्टी को भारी मात्रा में समर्थन देकर सत्ता तक पहुंचाया है। विद्रोह के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश में जो अंतरिम सरकार बनी थी, उसके बाद बांग्लादेश में कुछ हद तक सामान्य स्थिति देखने को मिली थी। तारिक रहमान के माता और पिता दोनों ही प्रधानमंत्री बन चुके हैं। 2007 में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, और उनको जेल भी हुई थी। शेख हसीना की सरकार ने उन्हें कई मामलों में आरोपी ठहराया था। बांग्लादेश में हुए विद्रोह के बाद 2024 में जब अंतरिम सरकार बनी, उस समय उनके ऊपर लगे आरोपों को समाप्त कर दिया गया था। 2026 में उनकी पार्टी ने चुनाव लड़ा और एक बड़ी जीत हासिल की। 12 फरवरी को बांग्लादेश में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न हुए। शेख हसीना पर चुनाव में धांधली कराने का आरोप लगा था। उसकी तुलना में इस चुनाव में इस तरह का कोई आरोप देखने को नहीं मिला है। 2024 में शेख हसीना की मजबूत सत्ता को गिराने वाले युवाओं के नेतृत्व ने इस चुनाव में जो परिणाम दिए हैं, उसने सभी को आश्चर्यचकित किया है। युवा बदलाव के प्रतीक होते हैं। बांग्लादेश के युवाओं ने स्थाई शासन के लिए वंशवादी पार्टी को स्वीकार किया, जिसके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। युवाओं ने आरोपों पर ध्यान न देते हुए तारिक रहमान के ऊपर जो विश्वास जताया, उससे यह बात स्पष्ट है, युवा पीढ़ी जोश में होते हुए भी होश नहीं खोती है। वर्तमान प्रधानमंत्री तारिक रहमान अभी तक कोई संवैधानिक पद पर नहीं रहे हैं। लेकिन वह पार्टी के अंदर प्रभावशाली माने जाते हैं। 2007 में शेख हसीना की सरकार ने उन्हें जेल भेजा था। उसके बाद वह इलाज के लिए बांग्लादेश छोड़कर लंदन चले गए थे। शेख हसीना के शासनकाल में उनके ऊपर कई आरोप लगाए गए थे। 2024 में जब अंतरिम सरकार बनी तब सारे फैसले पलट दिए गए। वह 17 साल के बाद बांग्लादेश लौटे, शेख हसीना के प्रति गुस्सा और तारिक रहमान के प्रति सहानुभूति इस चुनाव में देखने को मिली है। शेख हसीना की सरकार में जिन राजनीतिक दलों को प्रतिबंधित किया गया था, वे इस चुनाव में नई भूमिका में आ गए हैं। इस समय बांग्लादेश आर्थिक एवं कूटनीतिक दबाव को झेल रहा है। बांग्लादेश अल्पविकसित देशों की सूची में शामिल है। उसके सामने इससे बाहर निकलने का लक्ष्य है। भारत सरकार ने शेख हसीना को शरण दी है। जिसके कारण भारत और बांग्लादेश के संबंध में तनाव बना हुआ है। इसी बीच बांग्लादेश, अमेरिका-चीन और पाकिस्तान के करीब आया है। वर्तमान प्रधानमंत्री रहमान के सामने लोकतंत्र को संभालने की सबसे बड़ी चुनौती है। आर्थिक दबाव से भी उन्हें बाहर निकलना है। अमेरिका चीन और भारत के साथ संबंधों में संतुलन बनाने की चुनौती बांग्लादेश की है। जिन युवाओं ने उन्हें सत्ता के शिखर में पहुंचाया है वह भी सम्मान और अवसर मिलने की उम्मीद में है। बांग्लादेश की नई सरकार युवाओं की आकांक्षाओं पर खरा उतरेगी, इस बात की आशा की जा सकती है। तारिक रहमान को प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचाने के लिए युवाओं और बांग्लादेश की आवाम ने उन पर जो भरोसा जताया है, यदि वह उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं दे पाए, तो वह ज्यादा दिनों तक सत्ता पर काबिज नहीं रह पाएंगे। युवा पीढ़ी ज्यादा समय तक इंतजार नहीं करती है। बांग्लादेश के युवाओं ने सारी दुनिया को बता दिया है, कितनी भी मजबूत सत्ता हो उसे हटाया जा सकता है। इस चुनाव का असर निश्चित रूप से भारत के ऊपर भी देखने को मिलेगा। पिछले 12 वर्षों से यहां पर भी वंशवाद को लेकर वर्तमान सरकार गांधी परिवार और कांग्रेस को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है, लेकिन जिस तरह की स्थिति भारत में बन रही है उसमें राहुल गांधी पूरी तरह से प्रभावी भूमिका में सामने आए हैं। बांग्लादेश के चुनाव परिणाम निश्चित रूप से भारत की राजनीति को प्रभावित करने वाले साबित होंगे। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। भारत में भी जेन-जी की सक्रियता बढ़ रही है। उसका असर अब भारत में भी दिखने लगा है। 1947 के पहले से भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान के नागरिक एक ही संस्कृति और सोच के साथ रहते आए हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश और भारत में जो भी होता है, इसका असर एक दूसरे देश पर पड़ता ही है। इससे इंकार नहीं किया जा सकता है। बांग्लादेश में जो बदलाव हुआ है, इसका असर पश्चिम बंगाल और भारत में पड़ना तय माना जा रहा है।

व्यक्तिगत हमला होने पर आपकी मान्यताओं एवं आस्थाओं की परीक्षा

संजय गोस्वामी

जीत हार सत्ता विपक्ष जीवन में आते रहते हैं लोग चुनाव में हार जीत को लेकर आपस में व्यक्तिगत शत्रु हो जाते हैं और अंहकारी हो जाते हैं लेकिन एक समय के बाद ऐ खत्म होने लगता है, यश, पद, सत्ता, धन आदि के लिए लोगों के पीछे घूमने से आप आत्म-प्रतिष्ठा खो देंगे, तथा कुछ न मिलेगा और यदि मिला भी तो वह प्रतिष्ठा की कीमत चुकाने से दुःखद हो जायगा। प्रयत्न का अर्थ आत्म-पतन नहीं होना चाहिए।दृढ़ विश्वास रखो कि चरित्र का अपना ही एक महत्व है। चरित्र की दृढ़ता मन को सम्बल प्रदान करती है। आध्यात्मिकता मनुष्य को पलायन नहीं सिखाती है, बल्कि उसके अन्तर्जगत् को सुव्यवस्थित कर उसे कर्म की ओर प्रवृत्त करती है तथा उसे समभावजनित स्थायी सुख एवं शान्ति प्रदान करती है। अध्यात्म एक विज्ञान है, एक कला है, एक दर्शन है। अध्यात्म मानव के जीवन में जीने की कला के मूल रहस्य को उद्घाटित करा देता है। आध्यात्मिक वातावरण मानों मन के जख्मों को धोकर, उन पर दिव्य मरहम लगाकर मानव को मानसिक स्वस्थता प्रदान करता है। ध्यान का दैनिक अभ्यास स्वास्थ्य एवं शांति के लिए निद्रा की भाँति परम आवश्यक है। थकने पर निद्रा कैसी सुखदा प्रतीत होती है। निद्रा आने पर मनुष्य श्रेष्ठ संगीत, भोग्य पदार्थ एवं भौतिक सत्ता को भी भूल जाता है। वे हेय हो जाते हैं। मनुष्य की जाग्रत अवस्था में ध्यान, अन्तरंग का एक गहन सुख होता है, जो अनिर्वचनीय है। जीवन में भव्यतम क्या है, इसका दर्शन ध्यान द्वारा ही संभव है। इसकी तुलना में समस्त सुख फीके प्रतीत होने लगते हैं। ध्यान कोई तन्त्र-मन्त्र नहीं है। मन को विपरीत दिशा में अर्थात् बाहर से भीतर की ओर ले जाना और उसे विचारों के स्रोत्र के साथ जोड़ देना एक कला है, जिसे ध्यान कहते हैं। ध्यान मन की एकाग्रता नहीं है, बल्कि मन को भीतरी चेतना के साथ जोड़ना है। ध्यान एक साधना है, जिसके द्वारा हम अपने भीतर आत्मानन्द उपजाते हैं। केसर सब स्थानों पर उत्पन्न नहीं होता है; उसके लिए उपयुक्त स्थान खोजना होता है तथा एक विशेष पद्धति अपनाकर अथक परिश्रम करना होता है। वे सब इच्छाएं और भय हमारे ही हैं, जो हमें अनजाने ही दुःखी रखते हैं। वे हमें भीड़ की भाँति घेरकर मानो पकड़ लेने का प्रयत्न करते हैं। धैर्य रखें तथा तटस्थ द्रष्टा ही रहकर अपने भीतर के गहरे स्तर को भी देखते ही रहें। वास्तव में अवचेतन मन भी गतिमान तो निरन्तर रहता है, किंतु हमें इसी अवस्था में ही उसका यह ज्ञान होता है । तब हमारे अवधान के समक्ष अवचेतन मन उद्घटित अथवा नग्न होकर दीखने लगता है। अवचेतन (अचेतन) के अतल गह्वरों में उतरने पर, समस्त संस्कारों, इच्छाओं, आशाओं, निराशाओं, स्मृतियों की परतों को उठाकर, अथवा उनका भेदन कर गहरे स्तर पर चेतना की निर्ग्रन्थ, निर्मल, अखण्ड सत्ता का संदर्शन एवं संस्पर्श हो जाता है। नित्यप्रति ऐसा अभ्यास करने पर ध्यान की पूर्वावस्था में धीरे-धीरे चेतन तथा अवचेतन मन प्रायः शान्त होने लगेंगे और उनकी चंचलता शिथिल अथवा न्यूनतम हो जायेगी। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसका गर्व भूलकर भी साधक को नहीं करना चाहिए। सत्य का अनुसंधता सदैव विनम्र रहता है। व्यक्तिगत हमला होने पर आपकी मान्यताओं एवं आस्थाओं की परीक्षा होती है। चरित्र ही आपकी सच्ची सत्ता है आपकी असली पहचान और शक्ति, आपकी प्रतिभा या धन-दौलत से कहीं ज़्यादा आपके नैतिक मूल्यों, ईमानदारी और व्यवहार से बनती है। चरित्र आपको जीवन की कठिनाइयों का सामना करने में मदद करता है, सम्मान दिलाता है, और दूसरों के लिए प्रेरणा बनता है।

लोग तो आपको अपनी दृष्टि से देखते हैं,आत्म-प्रेक्षपण करते हैं। जिनकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत तिन देखी तैसी। दुष्ट लोग सन्तों को घुन्ना, छिपा रुस्तम, बना हुआ पाखंडी, ऊँचा कलाकार कह देते हैं और उन्हें दुष्ट सिद्ध करने का प्रयत्न करते हैं। किसी के गुणप्रकर्ष को न जा सकने से उसकी निंदा होने पर आश्चर्य नहीं है। न वेत्ति यो यस्य गुणप्रकर्ष स तं सदा निन्दति नात्र चित्रम् । यथा किराती करिकुम्भजातां मुक्तां परित्यज्य बिभर्ति गुञ्जाम्। लोग तो अपने स्तर पर रहकर ही तथा अपनी शिक्षा और संस्कारों के अनुसार ही आपका मूल्याकांन करेगे। वे आपके स्तर पर उठकर आपको कैसे देखें ? किंतु कुछ लोग तो जान-बूझकर गुणों को देखते ही नहीं और दोषों को ही देखते हैं। दुष्ट को दूसरों को दोष ही दिखाई देते हैं, गुण नहीं दीखते। सुंदर मणियों से विनिर्मित भवन में भी चींटी छिद्र ही ढूंढती है-सुन्दरमणिमयभवने पश्यति पिपीलिका रन्ध्रम्। छिद्रान्वेषण करना दुष्टों का स्वभाव होता है। दोषदर्शन से कटुता उत्पन्न होती है। सर्प और बिच्छु प्रकृतिवाले दुष्ट वाले (सैडिस्ट) दिनभर इसी में सुख मानते हैं कि आज कितने लोगों को रुला दिया और कितने लोगों को सता दिया। वे दूसरों को सताने में, दूसरों का अकारण अपमान करने में सुख मानते हैं। आप उनसे कितने ही बचें, वे आपको नहीं छोड़ते। वे बनावटी प्रेम दिखाकर खून चूस लेते हैं। अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए आपके पेट में घुसकर आपसे काम ले लेते हैं और आपको आवश्यकता होने पर वे आपको सहायता देने के बजाय हानि पहुँचाने में सक्रिय हो जाते हैं तथा अपने क्रूर अत्याचार को सिद्धान्तों का जामा पहनाकर स्वयं अच्छे, भले नजर आते हैं। ऐसे व्यक्ति जब उच्च पदाधिकारी अथवा धन के कारण सत्ताधारी हो जाते हैं, तो त्राहि-त्राहि मच जाती है। उनके दमन का डटकर प्रतिरोध करते हुए भी उन्हें प्रेम से ही सुधारा जा सकता है। सन्त उन्हें क्षणा ही करते हैं। साधुपुरुष संकट में भी उत्तम स्वभाव का परित्याग नहीं करते। कपूर आग में जलने पर सुगान्धित हो जाता है। स्वभावं न जहात्यन्तः साधुरापद्गतोऽपि सन्। कर्पूरः पावकप्लुष्टः सौरभं भजतेतराम्। निन्दक को धन्यवाद दो। यदि नाटक में खलनायक (विलेन) न हो, तो नायक (हीरो) के व्यक्तित्व में चमक न आयेगी। विश्वास रखो कि समाज में एक दिन आपकी सत्यनिष्ठा का मान अवश्य होगा। वास्तव में निंदक आपके नाम को चमकाने में लगे हुए हैं।

समाज में अपनी तथा दूसरों की निन्दा सुनकार उसे अपने सारे व्यक्तित्व में न समाने दें। शिव ने विष पीकर कण्ठ में धारण कर लिया और जनहित में जटाजूट से पतित-पावनी गंगा को प्रवाहित कर दिया। कटुता सहकर भी समाज के लिए उपयोगी बनने से ही आपकी पूजा होगी। समाज में अपमान और कष्ट के विष का पान करके भी अमृत उगलनेवाले महापुरुष समाज के सच्चे उपकारक होते हैं। दूसरों की चुगली करना और सुनना दोनों ही पतनकारक हैं। दूसरे की द्वेषप्रेरित झूठी चुगली सुनकर उस पर विश्वास कर लेना भूल है। केवल कानों से सुनी हुई ही नहीं, आँखों से देखी हुई बातें भी अनेक बार गलत सिद्ध हो जाती है।

विकास की धड़कन बना असम ब्रह्मपुत्र पर सेतु और अंडरवाटर टनल से बदलती क्षेत्रीय तस्वीर

कांतिलाल मांडोत

असम की धरती पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी की जनसभा में भारत माता की जय का उद्घोष किया, तो वह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि उत्तर–पूर्व के विकास को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का संदेश भी था। उनके संबोधन में संगठन की शक्ति, कार्यकर्ताओं के समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प की झलक दिखाई दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 2014 के बाद उत्तर–पूर्व को प्राथमिकता दी गई है और यह क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। असम, जो लंबे समय तक भौगोलिक दूरी और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पिछड़ा माना जाता था, आज बड़े प्रोजेक्ट्स के जरिए नए युग में प्रवेश कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने 6-लेन के आधुनिक पुल कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। लगभग 3,030 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह पुल गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी को जोड़ता है। यह पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्स्ट्राडोज्ड पुल है, जो इंजीनियरिंग की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके बन जाने से दोनों शहरों के बीच यात्रा समय घटकर मात्र सात मिनट रह जाएगा। इससे न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। ब्रह्मपुत्र, जो असम की जीवनरेखा है, अब विकास का सेतु बन चुकी है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी उल्लेख किया कि पिछले वर्षों में उत्तर–पूर्व के 125 से अधिक महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस क्षेत्र की प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि को राष्ट्रीय मंच पर उचित पहचान मिल रही है। लंबे समय तक उपेक्षित रहे इस भूभाग को अब देश के विकास मानचित्र में प्रमुख स्थान दिया जा रहा है।

विकास की इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने एक और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली ट्विन-ट्यूब अंडरवाटर रेल एवं सड़क टनल को मंजूरी दी है। यह परियोजना गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच बनाई जाएगी। लगभग 15.8 किलोमीटर लंबी यह टनल तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल और महत्वाकांक्षी है। पूरे प्रोजेक्ट, जिसमें अप्रोच रोड और रेलवे ट्रैक भी शामिल हैं, की लंबाई 33.7 किलोमीटर होगी और इस पर लगभग 18,600 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

इस टनल के बन जाने से वर्तमान में 240 किलोमीटर की दूरी घटकर लगभग 34 किलोमीटर रह जाएगी। इससे न केवल समय और ईंधन की बचत होगी, बल्कि क्षेत्रीय संपर्क भी सुदृढ़ होगा। यह परियोजना सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपात स्थिति में सेना और आवश्यक संसाधनों की तेजी से आवाजाही संभव हो सकेगी। एक ट्यूब में सिंगल रेल ट्रैक की सुविधा होगी और ट्रेनें बिजली से संचालित होंगी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि ट्रेन के गुजरने के दौरान सड़क यातायात नियंत्रित रहेगा। इसमें बैलिस्टिक ट्रैक जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जो इसे अत्याधुनिक संरचना बनाता है।

इन परियोजनाओं का महत्व केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं है। उत्तर–पूर्व भारत लंबे समय से भौगोलिक अलगाव और सीमित बुनियादी ढांचे के कारण आर्थिक रूप से पीछे रहा है। जब मजबूत पुल, आधुनिक सड़कें और सुरक्षित रेल नेटवर्क तैयार होते हैं, तो वे केवल दो स्थानों को नहीं जोड़ते, बल्कि संभावनाओं को जोड़ते हैं। इससे उद्योग, कृषि, पर्यटन और छोटे व्यवसायों को नई ऊर्जा मिलती है। असम, जो प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक विविधता से समृद्ध है, अब बेहतर संपर्क के कारण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से अधिक प्रभावी ढंग से जुड़ सकेगा।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में संगठन की शक्ति और कार्यकर्ताओं के योगदान का विशेष उल्लेख किया। उनका कहना था कि भारतीय जनता पार्टी जहां भी पहुंची है, वह कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और राष्ट्र के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रजीवन में परिवर्तन का आधार संगठन की शक्ति होती है। यह संदेश केवल राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरक है। उत्तर–पूर्व के विकास की यह नई कहानी केवल सरकारी योजनाओं का विवरण नहीं है, बल्कि विश्वास, संकल्प और क्रियान्वयन का उदाहरण है। असम में बन रहे ये बड़े प्रोजेक्ट इस बात के संकेत हैं कि अब यह क्षेत्र देश के विकास की परिधि में नहीं, बल्कि केंद्र में है। पुल और टनल जैसी संरचनाएं आने वाली पीढ़ियों के लिए अवसरों के नए द्वार खोलेंगी। गुवाहाटी की सभा में गूंजा "भारत माता की जय" का उद्घोष केवल एक नारा नहीं, बल्कि उस भावना का प्रतीक है जो विकास, एकता और आत्मनिर्भरता की दिशा में देश को आगे बढ़ा रही है। असम और पूरा उत्तर-पूर्व अब उस परिवर्तन का साक्षी बन रहा है, जो बुनियादी ढांचे से लेकर राष्ट्रीय पहचान तक हर स्तर पर दिखाई दे रहा है। यह समय है जब ब्रह्मपुत्र की धारा के साथ विकास की धारा भी समानांतर बह रही है, और उत्तर-पूर्व भारत के उज्ज्वल भविष्य की नई इबारत लिखी जा रही है।

(L 103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार,साहित्यकार स्तम्भकार)

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति का किया अनावरण

तरूण मित्र, गांधीनगर

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति का अनावरण किया है। शहर के सेक्टर 21 में 900 किलो से शिवाजी महाराज की मूर्ति तैयार की गई है, जिसका मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मूर्ति का अनावरण किया। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, "यह मेरे लिए अच्छा दिन है कि शिवाजी महाराज की मूर्ति अनावरण कर रहा हूं। 21 फुट ऊंची मूर्ति गांधीनगर के नागरिकों और युवाओं को प्रेरणा देगी। यह देश शिवाजी महाराज की उपकारों को कभी नहीं भूल सकता। जब चारों ओर गुलामी का अंधेरा था, देश अफगानिस्तान से कन्याकुमारी तक और सोमनाथ से उड़ीसा तक गुलाम था। 16 साल के शिवाजी ने लोगों को कई सालों की गुलामी और यातना से बचाने के लिए एक नया रास्ता दिखाया। शिवाजी महाराज के पिता एक सेल्फ-एम्प्लॉयड व्यक्ति थे। ऐसे में, 16 साल के किशोर ने मंदिर में कसम खाई कि वह जीवन भर लड़ेंगे। उस समय, किसी को

भी विश्वास नहीं हुआ कि यह सच है। किसी को यकीन नहीं हो रहा था कि बालक शिव हिंद स्वराज की स्थापना कर सकते हैं। शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ और हिंद स्वराज की स्थापना हुई। मुगल सेनाओं ने शिवाजी महाराज की हिम्मत तोड़ने की कोशिश की, लेकिन शिवाजी महाराज ने लड़ाई नहीं छोड़ी। जब काशी के मंदिर तोड़े गए, तो शिवाजी महाराज ने दक्षिण के मंदिरों की रक्षा की। उस समय उन्होंने यह संदेश दिया कि अगर विनाशकारी ताकतें मंदिर तोड़ती हैं, तो हम नए बनाएंगे। राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा होने पर शिवाजी महाराज की मन्नत पूरी हुई। हमारी सरकार ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर को फिर से बनाया।

सोमनाथ मंदिर, जो 16 बार तोड़ा गया, उस पर सोने की परत चढ़ाई गई है : सोमनाथ मंदिर, जो 16 बार तोड़ा गया, उस पर सोने की परत चढ़ाई गई है। शिवाजी महाराज ने उस समय नेवी की स्थापना की और मोटो दिया। आज मोदी जी ने उस जगह पर शिव मुद्रिका लगाने का काम किया है, जहां अंग्रेजों ने इंडियन नेवी पर अपनी छाप छोड़ी थी। झवेरचंद मेघानी ने हलराडा लिखने के लिए शिवाजी को चुना था। शिवाजी ने भारत की भाषा के लिए बहुत कुछ किया। उनके राज में पारसी और उर्दू शब्दों को सिस्टम से हटाकर मराठी और संस्कृत शब्दों को सिस्टम में लाया गया। शिवाजी की मौत के 100 साल बाद उनका भगवा पूरे देश में फैल गया। मैं कमेटी के सभी सदस्यों को दिल से बधाई देता हूं।

गुजरात राज्य के कई अदालतों को बम से उड़ाने की दी गई धमकी

- धमकी मिलने के बाद अदालतों को कराया गया खाली, चलाया गया सर्च आपरेशन

तरूण मित्र, गुजरात

गुजरात में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के 24 घंटे के अंदर ही अब राज्य की कई अदालतों को निशाना बनाया गया है। ई-मेल से बम की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद ग्रामीण, गांधीनगर, वडोदरा और वलसाड सहित ज़रूरी अदालतों में सिक्योरिटी एजेंसियों को भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह 4:07 बजे एक गुमनाम ई-मेल भेजा गया। इस मेल में बहुत खतरनाक दावा किया गया कि कोर्ट परिसर में 19 IED (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) लगाए गए हैं। इसके अलावा, धमकी देने वाले ने लिखा कि यह धमाका 'लंच टाइम' में किया जाएगा। धमकी की गंभीरता को देखते हुए, सभी संबंधित कोर्ट की कानूनी कार्रवाई तुरंत रोक दी गई है। अहमदाबाद ग्रामीण कोर्ट, गांधीनगर और वडोदरा कोर्ट परिसर को तुरंत खाली करा लिया गया है। पुलिस, बम डिस्पोजल स्क्वॉड (BDS) और डॉग स्क्वॉड पूरी जांच कर रहे हैं। वकीलों, क्लाइंट और कर्मचारियों को सुरक्षित दूरी पर भेज दिया गया है।

साइबर सेल कर रही है जांच

सोमवार को वडोदरा के 18 स्कूलों को मिली धमकी और मंगलवार को कोर्ट को मिली धमकी के बीच कोई कनेक्शन है या नहीं, इसकी भी जांच शुरू कर दी गई है। साइबर क्राइम टीमें मेल के IP एड्रेस को ट्रैक कर रही हैं। शुरुआत में शक है कि यह एक बड़ी साज़िश है।

विश्व मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया मातृभाषा महोत्सव-2026

- वक्ताओं ने ''आज का पत्रकार, आज की पत्रकारिताः परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ'' ''राष्ट्र और स्वयं को जागृत करने वाली पत्रकारिता'' विषयों पर प्रस्तुत किए गए विचारोत्तेजक विचार
- यदि हमें गुजराती मातृभाषा का ज्ञान हो, तो हमारी गौरवशाली संस्कृति और परंपरा संरक्षित रहेगीः- ज्वलंत नायक
- आज के दौर में पत्रकारिता करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को निरंतर पढ़ने पर ध्यान देना होगाः- विनीत शुक्ला

तरूण मित्र, वलसाड जिला।

गुजरात साहित्य अकादमी गांधीनगर, पत्रकार वेल्फेयर असोसिएशन वलसाड और पुस्तक परब, वलसाड के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. अंबेडकर भवन, वलसाड में मातृभाषा महोत्सव-2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पत्रकारिता जगत की पुरानी और नई पीढ़ी के पत्रकारों ने गुजराती पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य से मातृभाषा का सम्मान किया और मीडिया जगत को अनेक नए विचारों और आयामों की दिशा दिखाई। इस समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में गुजरातमित्र अखबार के डिजिटल प्रमुख ज्वलंत नायक ने "आज का पत्रकार, आज की पत्रकारिताः परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ" विषय पर भावपूर्ण भाषण दिया और कहा कि कभी-कभी यह शिकायत की जाती है कि पत्रकार बढ़ा-चढ़ाकर बातें करते हैं, लेकिन वास्तविकता में पत्रकार समाज का सच्चा चित्र प्रस्तुत करते हैं। पूर्व में पत्रकारिता एक मिशन (क्रांति) के रूप में की जाती थी, लेकिन पत्रकारिता की परिभाषा भी समय के साथ बदल गई है, आज की पत्रकारिता परिस्थितियों के अधीन है। आज जब हम विश्व मातृभाषा दिवस के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं, तो गुजराती भाषा की कड़वी सच्चाई सामने आती है। आज हर माता-पिता अपने बच्चे को अंग्रेजी में पढ़ाने के लिए उत्सुक हैं और बढ़ती प्रतिस्पर्धा में जीवित रहने के लिए यह उत्सुकता स्वाभाविक है, लेकिन बच्चे के लिए अपनी मातृभाषा गुजराती का ज्ञान और उस पर गर्व होना आवश्यक है। यदि बच्चे को मातृभाषा का ज्ञान होगा, तो हमारी गौरवशाली संस्कृति और परंपरा संरक्षित रहेगी। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि आज गुजराती भाषा का महत्व घट रहा है।

श्री नायक ने कहा कि हाल के समय में मीडिया जगत में प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रवेश के कारण गुजराती पत्रकारिता कई चुनौतियों का सामना कर रही है और पत्रकारों की नई पीढ़ी की भाषा दक्षता घट रही है। स्मार्ट तकनीक ने लोगों को नौसिखियों जैसा बना दिया है। उन्होंने हास्यपूर्ण अंदाज में कुछ उदाहरण भी दिए कि कैसे प्रौद्योगिकी के उपयोग के कारण शब्दों का अर्थ खोता जा रहा है। इसके अलावा, उन्होंने पत्रकारों के आज के कार्यक्षेत्र और उनके परिवारों की स्थिति के बारे में भी बताया। आज हम सभी पत्रकारों को प्रभावित करने वाले संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं, जो एक सकारात्मक बात है। साथ ही, उन्होंने भारत के पहले पत्रकार के रूप में जाने जाने वाले जेम्स अगस्त हिक्की के योगदान के बारे में भी ज्ञानवर्धक जानकारी दी।

मुंबई में वर्षों से पत्रकार और स्तंभकार के रूप में कार्यरत विनीत शुक्ला ने "पत्रकारिता जो स्वयं को और राष्ट्र को जागृत करती है" विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज जब हम सभी मातृभाषा सप्ताह मना रहे हैं, तो प्रत्येक गुजराती के लिए यह गर्व की बात है कि गुजराती भाषा में शुरू हुआ दैनिक समाचार पत्र मुंबई समाचार अपने 204वें वर्ष में भी चल रहा है। पूरे एशियाई महाद्वीप के चार प्रमुख समाचार पत्रों की तुलना में, यह अभी भी सबसे पुराना समाचार पत्र है जो नियमित रूप से प्रतिदिन प्रकाशित होता है। इसके 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, भारत सरकार ने मुंबई समाचार के नाम पर एक डाक टिकट भी जारी किया है। आगे, गांधीजी के दृष्टिकोण से पत्रकारिता की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि गांधीजी एक असाधारण पत्रकार थे। उन्होंने हरिजन और यंग इंडिया समाचार पत्रों के माध्यम से देश के स्वतंत्रता संग्राम में सभी देशवासियों को प्रेरित किया, देशभक्ति की भावना पैदा की और उन्हें देशभक्ति में शामिल किया। वर्तमान युग में, जो भी पत्रकारिता करना चाहता है, उसे निरंतर पढ़ने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने ऐसे कार्यक्रम के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। दमणगंगा टाइम्स के निवासी संपादक विकासभाई उपाध्याय ने विश्व मातृभाषा दिवस के इतिहास और इसमें पत्रकारिता के योगदान पर ज्ञानवर्धक भाषण दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान समय में समाचारों का स्रोत विश्वसनीय होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि समाज को निडर और निष्पक्ष पत्रकारिता की आवश्यकता है। गुजरात मित्र के वापी ब्यूरो प्रमुख हनीफभाई मेहरी ने नई और पुरानी पीढ़ी की पत्रकारिता पर अपने विचार साझा करते हुए वर्तमान पीढ़ी के पत्रकारों से कहा कि मीडिया जगत में, चाहे प्रिंट मीडिया हो, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हो या सोशल मीडिया, माध्यम कोई भी हो, उच्च गुणवत्ता और विश्वसनीयता वाली सामग्री वाला माध्यम ही प्रतिस्पर्धा में टिक पाएगा। उन्होंने ग़ज़लों के माध्यम से गुजराती भाषा की महिमा का वर्णन किया। वहीं गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. भाग्येश झा ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रेरणा और शुभकामनाएं दीं तथा ऑडियो संदेश के माध्यम से सभी पत्रकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट अध्यक्ष अपूर्व पारेख और पुस्तक परब के हार्दिक पटेल ने वक्ताओं का परिचय कराया। पत्रकार वेल्फेयर असोसिएशन वलसाड के अध्यक्ष हर्षद आहीर ने स्वागत भाषण दिया, जबकि वरिष्ठ पत्रकार डॉ. बृजेश शाह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन पुस्तक परब की अध्यक्षा एवं मोटापोंढा आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. आशाबेन गोहिल ने किया।

ठाणे महानगरपालिका की महासभा की तैयारियों का महापौर ने लिया जायजा

तरुणमित्र युसुफ पुरी

ठाणे। ठाणे महानगर पालिका की आगामी सर्वसाधारण सभा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 20 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाली महासभा के मद्देनज़र महापौर शर्मिला रोहित पिंपळोलकर ने मंगलवार को महासभा सभागृह का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान महापौर ने सभागृह की बैठक व्यवस्था, ध्वनि प्रणाली, स्वच्छता, सुरक्षा प्रबंध तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की विस्तृत जांच की। इस अवसर पर महापालिका सचिव मनीष जोशी, उपनगर अभियंता सुधीर गायकवाड तथा कार्यकारी अभियंता महेश बोराडे भी उपस्थित रहे। महानगरपालिका में सर्वपक्षीय कुल 131 नगरसेवक निर्वाचित हुए हैं, जबकि 10 स्वीकृत सदस्य भी सभा में भाग लेंगे। कुल सदस्य संख्या को ध्यान में रखते हुए बैठक व्यवस्था सुदृढ़ और सुव्यवस्थित रखने के निर्देश महापौर ने संबंधित अधिकारियों को दिए। महापौर पिंपळोलकर ने कहा कि सर्वसाधारण सभा जनप्रतिनिधियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, इसलिए कार्यवाही का निर्विघ्न और अनुशासित संचालन आवश्यक है। उन्होंने तकनीकी व्यवस्थाओं, ध्वनि प्रणाली और प्रशासनिक तैयारियों में किसी भी प्रकार की कमी न रहने की हिदायत दी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार महासभा की शुरुआत राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' और राज्यगीत से की जाएगी तथा समापन राष्ट्रगान से होगा। इसके लिए ध्वनिफीतियां (रिकॉर्डेड ऑडियो) उपलब्ध रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। महापौर ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन पूरी तरह तैयार है और महासभा की कार्यवाही सुचारू एवं सफलतापूर्वक संपन्न होगी।

सड़कों और पुलों के तत्काल मरम्मत का निर्देश

तरूण मित्र, मुंबई

महाराष्ट्र में हुई अतिवृष्टि के कारण बड़े पैमाने पर सड़कों और पुलों को नुकसान पहुंचा है। इन सड़कों के तत्काल मरम्मत के निर्देश लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्रसिंहराजे भोसले ने दिए हैं। नाशिक कुंभ मेले को देखते हुए विशेष रूप से पर्यटन व धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाली सड़कों और मुख्य मार्गों से जुड़ी सड़कों की मरम्मत को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्रालय में मंगलवार को आयोजित लोक निर्माण विभाग की बजट सत्र कार्य समीक्षा बैठक में मंत्री भोसले ने यह निर्देश दिए। इस बैठक में अपर मुख्य सचिव मिलिंद म्हैसकर, सड़क विभाग के सचिव संजय दशपुते सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मंत्री भोसले ने कहा कि राज्य में नई सड़कों का निर्माण करते समय यातायात की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाए।

योग के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए योग गुरू प्रीतिबेन पांडे को किया गया सम्मानित

तरूण मित्र, वलसाड जिला।

वलसाड जिला के सुप्रसिद्ध शेठ आर. जे. जे. हाई स्कूल में राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में योग के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए जानी-मानी योग गुरु श्रीमती प्रीतिबेन पांडे को सम्मानित किया गया। प्रीतिबेन पांडे, जिन्होंने "योग और जीवन विज्ञान" में मास्टर डिग्री हासिल की है। और उन्होंने "प्रकृत्ति विज्ञान " और "डाइटरी केयर" में भी मास्टर डिग्री हासिल की है। इन उपलब्धियों की वजह से वे अलग-अलग जगहों पर हेल्थ, वेल्थ और हैप्पीनेस विषय पर लेक्चर देती हैं। जिससे लोग स्वस्थ, निरोगी और तंदुरुस्त बन रहे हैं। इसके साथ ही, ट्रेनर बनकर लोग आत्मनिर्भर भी बन रहे हैं। प्रीतिबेन पांडेय 20 से ज़्यादा सालों से योग के क्षेत्र में सेवा दे रही हैं और अभी गुजरात राज्य योग बोर्ड में ज़ोन कोऑर्डिनेटर हैं और साउथ गुजरात को योग मय बनाने की ज़िम्मेदारी संभाल रही हैं। 20 सालों की योग यात्रा के दौरान लाखों लोगों ने उनके मार्गदर्शन में योग की ट्रेनिंग ली है। इस मौके पर योग गुरू प्रीति पांडेय ने कहा कि इस कार्यक्रम में फायरलेस बुकिंग, स्वस्थ नास्ता में विजेता बहनों को सम्मानित करने का मुझे मौका मिला। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में मुझे सम्मानित किया गया इसके लिए मैं स्कूल की आचार्य प्रार्थनाबेन भाटी का बहुत-बहुत हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं।

मृत जमीन मालिकों के नाम पर सवा दो करोड़ की धोखाधड़ी, मामला दर्ज

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। नवी मुंबई के पनवेल शहर पुलिस स्टेशन में एक सनसनीखेज धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जहां इजराइल में बस चुके और कई साल पहले मृत हो चुके व्यक्तियों के नाम पर एक बिल्डर से करोड़ों रुपये की ठगी की गई है. इस संबंध में खारघर के रहनेवाले 55 वर्षीय भवन निर्माता प्रशांत प्रभाकर पाटेकर ने शिकायत दर्ज कराई है कि आरोपियों ने उन्हें और उनके बेटे श्रेयश पाटेकर को करंजाडे स्थित जमीन बेचने के नाम पर 2 करोड़ 29 लाख 50 हजार रुपये का चूना लगाया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरी साजिश करंजाडे स्थित 47 गुंठे जमीन को लेकर रची गई. इस जमीन के असली मालिक शालोम (सेलीम) एलियाहू चिंचोलकर और नाथन एलियाहू चिंचोलकर थे, जिनमे से एक कि मृत्यु 2016 जबकि दूसरे की 2011 में इजराइल में हो चुकी है. उनके वारिस वर्तमान में इजराइल और अमेरिका में रह रहे हैं. आरोपियों ने इस स्थिति का फायदा उठाते हुए असली मालिकों के नामों से मिलते-जुलते नाम वाले फर्जी व्यक्तियों को खड़ा किया. मध्य प्रदेश के सेंधवा (बड़वानी) निवासी शालोम चिंचोलकर और नाथन चिंचोलकर नामक दो फर्जी व्यक्तियों ने एजेंट सूरज वासुदेव शिंदे और अन्य साथियों की मदद से जाली पहचान पत्र और दस्तावेज तैयार किए. इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 23 अगस्त 2024 को पनवेल-1 के सह-द्वितीय निबंधक कार्यालय में जमीन की बिक्री का व्यवहार पूरा किया गया. जब पाटेकर को इस जालसाजी का पता चला, तो उन्होंने पुलिस में शिकायत की. पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मुंब्रा-कौसा में टोरेंट पॉवर समस्याओं पर राकांपा (शरद पवार गुट) का महा शिविर, 450 से अधिक उपभोक्ताओं को मिली राहत

तरुणमित्र युसुफ पुरी

मुंब्रा। मुंब्रा-कौसा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति से जुड़ी लगातार मिल रही शिकायतों के समाधान के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नगरसेवक सुधीर भगत की ओर से एक विशेष महा ग्राहक सहकार्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सुधीर भगत के कार्यालय 'पिंटिया दादा हाउस' में संपन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र के 450 से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने भाग लेकर अपनी समस्याएं दर्ज कराईं। शिविर में प्रमुख रूप से बिजली बिल में नाम परिवर्तन, अत्यधिक बिल आने की शिकायतें, पीडी मीटर संबंधी विवाद, नए मीटर के लिए आवेदन, बिजली चोरी से जुड़े प्रकरण, मीटर रीडिंग में गड़बड़ी तथा लंबित शिकायतों के समाधान जैसे मुद्दे उठाए गए। उपभोक्ताओं ने बताया कि लंबे समय से वे इन समस्याओं को लेकर परेशान थे और समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे थे। शिविर में मौजूद टोरेंट पावर के अधिकारियों ने मौके पर ही आवेदनों की जांच कर कई मामलों का त्वरित निस्तारण किया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान होने से उपभोक्ताओं में संतोष का वातावरण देखा गया। स्थानीय नागरिकों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पहली बार बिजली कंपनी स्वयं उनके घर के पास आकर समस्याएं सुन रही है, जिससे समय और धन दोनों की बचत हुई है। इस पहल को क्षेत्र में सकारात्मक कदम माना जा रहा है। नगरसेवक सुधीर भगत ने कहा की भविष्य में भी इसी प्रकार के शिविर आयोजित कर जनता की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा।

नवसारी जिला भाजपा को मिल रहा है झटके पे झटका, बढ़ा असंतोष, 6 और सदस्यों ने दिया इस्तीफा

तरूण मित्र, नवसारी जिला।

नवसारी जिला भाजपा में पिछले कुछ समय से चल रहा अंदरूनी असंतोष अब सतह पर आ गया है। जलालपुर तालुका भाजपा संगठन में इस्तीफों का जो सिलसिला चल रहा है, उसमें अब चुने हुए प्रतिनिधि भी शामिल हो गए हैं। एक तरह से देखा जाये तो स्थानीय राजनीति में हलचल मच गई है। क्योंकि तालुका पंचायत के 6 सदस्यों ने संगठन के समर्थन में एक साथ इस्तीफा दे दिया है। जलालपोर तालुका पंचायत अध्यक्ष नीलम पटेल को सौंपे गए इस्तीफे में कई बड़े नाम शामिल हैं। जिसमें जलालपोर तालुका पंचायत के कारोबारी अध्यक्ष हिरेन पटेल, जलालपुर तालुका पंचायत नीलेश पटेल, पूर्व शासक पक्ष नेता। इसके अलावा 4 अन्य चुने हुए सदस्यों ने भी अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह नाराजगी संगठन स्तर पर शुरू हुई थी, जो अब चुने हुए प्रतिनिधियों तक फैल गई है। जलालपोर तालुका भाजपा में अब तक संगठन और पंचायत के कुल 27 सदस्य इस्तीफा दे चुके हैं। कारोबारी अध्यक्ष हिरेन पटेल ने भी मीडिया के सामने अपनी नाराजगी जाहिर की है, जिससे पता चलता है कि पार्टी में तालमेल की कमी हो सकती है।

ख़ास ख़बर

जांच में दोषी पाए गए ग्राम प्रधान मनोज कुमार पदच्युत

» हाईकोर्ट के निर्देश पर हुई कार्यवाही, डीएम ने जारी किया आदेश

जौनपुर। विकास खण्ड सुइथाकला की ग्राम पंचायत अढनपुर के प्रधान मनोज कुमार को वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोप में पद से हटा दिया गया है। यह कार्यवाही जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश चन्द्र द्वारा उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम की धारा 95(1)(छ)(ग) के अंतर्गत की गई है। मामला सिविल मिस रिट याचिका संख्या 22133/2025 मनोज कुमार बनाम स्टेट ऑफ यूपी व अन्य के तहत उच्च न्यायालय इलाहाबाद में विचाराधीन था। न्यायालय के निर्देश पर प्रकरण की जांच उपायुक्त श्रम रोजगार जौनपुर द्वारा कराई गई। जांच रिपोर्ट में ग्राम पंचायत अढनपुर में विभिन्न योजनाओं, विशेषकर मनरेगा कार्यों में वित्तीय अनियमितता एवं प्रशासनिक लापरवाही की पुष्टि हुई। जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने के बाद जिलाधिकारी ने प्रधान को पद से पदच्युत करने का आदेश जारी किया। इसके साथ ही संबंधित सचिव के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। आदेश की प्रति मुख्य विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है, ताकि आगे की वैधानिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। बताते चलें कि इस मामले में 11 सितंबर 2023 को शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिस पर न्यायालय के आदेश के बाद जांच प्रक्रिया पूरी की गई।

भूत-प्रेत संग चली बाबा भोलेनाथ की अद्भुत बारात, कांवड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

तरुणमित्र जौनपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शाहगंज नगर में महाशिवरात्रि कांवड़िया संघ के तत्वावधान में भव्य कांवड़िया बारात का आयोजन किया गया। यह बारात श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में निकाली गई, जिसमें नगरभर के श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर दिखाई दिए। संघ के अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रहरि ने बताया कि यह आयोजन भगवान भोलेनाथ की कृपा से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कांवड़िया बारात की शुरुआत काली चौरा मंदिर से हुई, जो मनोज ड्रेसेज, पुराना चौक, नौहट्टा, शाहपंजा और चूड़ी मोहल्ला होते हुए रामलीला भवन चौराहा पहुंची। इसके बाद कोतवाली चौराहा, मंदिर कलेक्टरगंज, डाकखाना रोड, मेन रोड, जेसी चौराहा होते हुए शिवधाम की ओर प्रस्थान किया गया। अंततः बारात भुवनेश्वर महादेव धाम पहुंची, जहां विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया। हर-हर महादेव के जयघोष से संपूर्ण क्षेत्र शिवमय हो उठा। बारात में भूत-प्रेत के रूपधारी कलाकारों सहित आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। भगवान भोलेनाथ पालकी पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देते रहे। उनके दर्शन पाकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कार्यक्रम को सफल बनाने में महामंत्री शिवशंकर जायसवाल, उपाध्यक्ष राम अवतार अग्रहरि एवं मनोज अग्रहरि, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रहरि, संरक्षक मनोज जायसवाल (पत्रकार) सहित रामकुमार अग्रहरि, बिरजू मोदनवाल, दिनेश मोदनवाल, राहुल अग्रहरि (अन्ना मंत्री), अमरनाथ शर्मा और की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजकों ने बताया कि यह कांवड़िया बारात सामाजिक समरसता और धार्मिक आस्था का प्रतीक बनी, जिसमें सभी वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

रामलीला मैदान के सुंदरीकरण पर खर्च होंगे दो करोड़ दस लाख रुपए

» पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजनांतर्गत होगा विकास कार्य

» विधायक रमेश सिंह व कथावाचक राजन जी महाराज ने किया शिलान्यास

तरुणमित्र, जौनपुर।नगर स्थित रामलीला मैदान के प्रस्तावित सुंदरीकरण कार्य का रविवार को विधायक रमेश सिंह ने प्रख्यात कथावाचक राजन जी महाराज व आचार्य अनिल पांडेय की उपस्थिति में पूरे विधि विधान से भूमि पूजन कर शिलान्यास किया।उक्त सुंदरीकरण कार्य के लिए शासन द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजनांतर्गत दो करोड़ दस लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। जिसकी मांग विधायक श्री सिंह ने रामलीला समिति की मांग पर नगर विकास मंत्री एके शर्मा से मिलकर की थी। इसके अंतर्गत मैदान में मिट्टी की भराई, चारों तरफ लगभग आठ सौ मीटर लंबा व तीन मीटर चौड़ा इंटरलॉकिंग, स्ट्रीट लाइट युक्त पाथवे बनेगा। इसके अलावा मैदान को प्रकाश से जगमग करने हेतु पांच हाईमास्ट लाइटों के अलावा जलनिकासी के लिए चारों तरफ पक्की नालियों का भी निर्माण होगा। विधायक रमेश सिंह ने कहा रामलीला मैदान नगर में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक, सामाजिक कार्यक्रमों का मुख्य केंद्र है। प्रायः विजया दशमी के पर्व पर मैदान में पानी भरे होने से मेला आयोजन में भारी समस्याएं होती थीं, जो अब दूर होंगी। सुंदरीकरण हो जाने के बाद रामलीला मैदान जिले में अपनी अलग पहचान के लिए जाना जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रचना सिंह, रामलीला समिति के अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गीता जायसवाल, भाजपा अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल, जौनपुर प्रेस क्लब शाहगंज के अध्यक्ष चंदन कुमार जायसवाल, कमलेश अग्रहरि, वीरेंद्र सिंह 'बंटी', महेंद्र वर्मा, कैलाश नाथ जायसवाल, विजय जायसवाल, श्याम जी गुप्ता, राम प्रसाद मोदनवाल, अनिल अग्रहरि ,देवी प्रसाद मंटू चौरसिया ,सभासद अर्पित जायसवाल, सिकंदर साहू, गणेश सभासद, सचिन वर्मा , अच्छत अग्रहरि सहित नगर के दर्जनों विशिष्टजन उपस्थित रहे।

शिलापट्ट पर नगर विकास मंत्री का नाम न होना चर्चा का विषयःरामलीला मैदान के सुंदरीकरण हेतु लगाए गए शिलापट्ट पर धनराशि जारी करने वाले विभाग के मंत्री एके शर्मा का नाम ही गायब होना लोगों में चर्चा का विषय रहा। इसके अलावा कुछ ऐसे नेताओं का नाम लिखा मिला जिनका उक्त कार्य से न तो दूर-दूर तक कोई रिश्ता है और न ही नाम लिखे जाने का कोई प्रोटोकॉल।

सोशल मीडिया पर छात्र की गुहार का असर, समाजसेवी अतुल कुमार तिवारी ने छात्र को दिलाया न्याय

तरुणमित्र

जौनपुर। सोशल मीडिया की शक्ति और मानवीय संवेदना का एक बड़ा उदाहरण जौनपुर शहर में देखने को मिला, जहाँ एक बेसहारा छात्र की मदद के लिए अखिल भारतीय हिंदू सेवा दल के प्रदेश संगठन मंत्री व समाजसेवी अतुल कुमार तिवारी मसीहा बनकर सामने आए।

क्या था पूरा मामला?

टीडी कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र आदित्य कुमार ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था। वीडियो में छात्र ने अपनी आपबीती सुनाई कि जौनपुर शहर में जहाँ वह किराए पर रहता है, वहाँ के पड़ोसी दंपत्ति उसे लगातार धमकियाँ दे रहे हैं। विवाद इतना बढ़ गया कि मकान मालिक ने बिना सच जाने पड़ोसी का पक्ष लेते हुए छात्र के कमरे में ताला जड़ दिया। छात्र अपने ही कमरे में प्रवेश नहीं कर पा रहा था और इस समय छात्र के कॉलेज में उसका प्रैक्टिकल एग्जाम भी शुरू हो गया है जिससे छात्र को गंभीर सम्यओं का सामना करना पड़ रहा था।

तत्काल एक्शन में आए समाजसेवीःवीडियो संज्ञान में आते ही समाजसेवी अतुल कुमार तिवारी ने बिना विलंब किए पीड़ित छात्र से संपर्क किया। उन्होंने छात्र को ढांढस बंधाया और तत्काल उसे साथ लेकर स्थानीय थाने पहुँचे। अतुल तिवारी ने पुलिस प्रशासन के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज करवाए

पुलिस की मौजूदगी में खुला तालाःअतुल तिवारी के हस्तक्षेप और पुलिस की सक्रियता के बाद प्रशासन मौके पर पहुँचा। पुलिस ने छात्र के कमरे का ताला खुलवाया और उसे उसका सामान वापस दिलाया। छात्र की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समाजसेवी ने उसे दूसरी सुरक्षित जगह पर कमरा दिलाने में भी मदद की, ताकि वह बिना किसी डर के अपनी पढ़ाई जारी रख सके।

"समाज में छात्रों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आदित्य जैसे छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए हम सदैव तत्पर हैं। किसी भी जरूरतमंद को घबराने की जरूरत नहीं है, हम उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।"

— समाजसेवी, अतुल कुमार तिवारी (प्रदेश संगठन मंत्री, अखिल भारतीय हिंदू सेवा दल)

जताया आभारःन्याय मिलने के बाद छात्र आदित्य कुमार ने भावुक होकर समाजसेवी अतुल तिवारी का आभार व्यक्त किया। छात्र ने कहा कि जब उसे कोई रास्ता नहीं दिख रहा था और कोई उसकी मदद नहीं कर रहा था, तब अतुल जी ने बड़े भाई की तरह मदद की। अंत में, अतुल तिवारी ने छात्र को भविष्य में भी हर न्याय संगत संभव मदद का आश्वासन दिया। अतुल तिवारी ने जिला प्रशासन का धन्यवाद करते हुए बोले की छात्र के लिखित शिकायत पर प्रशासन द्वारा न्याय संगत त्वरित कार्यवाही करते हुए छात्र की मदद किए । छात्र आदित्य ने इस त्वरित मदद के लिए समाजसेवी अतुल तिवारी एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

अज्ञात कारणों से लगी आग में तीन रिहायशी मड़हे जलकर राख, भारी नुकसान

तरुणमित्र

जौनपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के धर्मापुर स्थित निषाद बस्ती में मंगलवार को अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग ने तीन परिवारों की पूरी गृहस्थी उजाड़ दी। दोपहर के समय अचानक मड़हे से उठी आग की लपटों ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के अन्य मड़हों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस अग्निकांड में सर्वाधिक नुकसान सीता निषाद का हुआ है, जिनके मड़हे में रखे कपड़े, कीमती जेवरात, बिस्तर, अनाज और कुछ नकद रुपये जलकर राख हो गए। वहीं, कैलाश निषाद का भी बिस्तर, चावल, गेहूं और पशुओं के लिए रखा भारी मात्रा में भूसा जलकर खाक हो गया। फौजदार निषाद की गृहस्थी का भी हजारों रुपये का सामान अग्निदेव की भेंट चढ़ गया। आग की लपटें देख मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए और निजी संसाधनों से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। सूचना मिलने पर जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुँचती, तब तक ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया था, लेकिन तब तक पीड़ितों का सब कुछ जलकर स्वाहा हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुँचकर हुए नुकसान का जायजा लिया और क्षति का आकलन कर रिपोर्ट तैयार की है, ताकि पीड़ित परिवारों को उचित सरकारी सहायता प्रदान की जा सके। खुले आसमान के नीचे आए इन गरीब परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जमीनी विवादों के त्वरित निस्तारण की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

तरुणमित्र

जौनपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश सचिव एवं जिला अध्यक्ष विनय जायसवाल ने जिला प्रशासन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपकर प्रदेश में बढ़ते जमीनी विवादों पर गंभीर चिंता जताई है। जिलाधिकारी को दिए गए ज्ञापन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जमीन से जुड़े विवादों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके चलते प्रदेश के विभिन्न जिलों में आए दिन मारपीट, हिंसा और हत्या जैसी गंभीर घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसी परिस्थितियां आमजन में भय और असुरक्षा का वातावरण पैदा कर रही हैं। विनय जायसवाल ने मांग की कि प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं कि जमीन संबंधी किसी भी प्रकार की शिकायत या विवाद, जो फरियादियों द्वारा सरकारी कार्यालयों में प्रस्तुत किए जाएं, उनका समयबद्ध एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इससे जनता का प्रशासन पर विश्वास और मजबूत होगा तथा विवादों को हिंसक रूप लेने से पहले रोका जा सकेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान राज जायसवाल, सजीवन राम, मोतीलाल सोनी, विजय यादव, डॉ. गामा प्रसाद, अरुण सोनी, चंद्रेश जायसवाल, मनीष सिंह, राजेश यादव, संदीप यादव, गौरव सिंह, मोहम्मद ताज सहित बड़ी संख्या में संगठन के सदस्य और समर्थक उपस्थित रहे।

मानस पाठ के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन, भजन संध्या में भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

तरुणमित्र

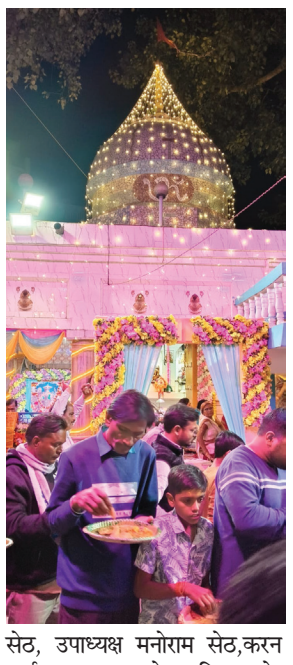

शाहगंज, जौनपुर। नगर के घासमंडी चौराहा स्थित कानपुर धर्मशाला के शिव मंदिर में आयोजित मानस पाठ के समापन के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुई, जिसके बाद कथा वाचक विनोद गौरव द्वारा प्रस्तुत की गई भजन संध्या ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उनके सुमधुर भजनों पर श्रद्धालु देर तक झूमते रहे और पूरा परिसर "जय श्रीराम" व "हर-हर महादेव" के जयघोष से गूंज उठा। भजन संध्या में भगवान श्रीराम की महिमा, शिव भक्ति और मानस की चौपाइयों पर आधारित भजनों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने दीप प्रज्वलन कर प्रभु के चरणों में शीश नवाया और भक्ति रस में डूबे रहे। आयोजन स्थल को फूल-मालाओं और विद्युत झालरों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे वातावरण और भी मनोहारी बन गया। कार्यक्रम में स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष राहुल सेठ, उपाध्यक्ष मनोराम सेठ,करन पार्थ प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ केशव प्रसाद सेठ, जवाहिर सेठ, देवेंद्र साहू उर्फ़ शेखर साहू ,जौनपुर प्रेस क्लब शाहगंज के अध्यक्ष चंदन कुमार जायसवाल ,पत्रकार राजकुमार, सूरज सेठ, रितेश सेठ, संतोष सेठ, रामू सेठ, कुंदन सेठ, महेंद्र वर्मा, मुन्नू सेठ सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने मिलकर भंडारे की व्यवस्था संभाली और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। भंडारे में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और देर रात तक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान अनुशासन और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक कार्यक्रमों से समाज में आपसी भाईचारा, सेवा और सद्भाव की भावना मजबूत होती है। अंत में आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी भक्तों, समाज के पदाधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं श्रद्धा-भक्ति के माहौल में संपन्न हुआ।

शाहिद के लिए प्यार भरा संदेश साझा किया मीरा राजपूत ने

मुंबई। बॉलीवुड की रोमांटिक-एक्शन ड्रामा फिल्म ओ रोमियो सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म की कहानी को लेकर लंबे समय तक विवाद चला और मामला कोर्ट तक पहुंच गया था, लेकिन इसे हुसैन उस्तरा की कहानी से प्रेरित न मानते हुए अदालत ने रिलीज की अनुमति दे दी। शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी की इस फिल्म के रिलीज के दिन अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत कपूर ने वैलेंटाइन वीक के मौके पर अपने असली रोमियो शाहिद के लिए प्यार से भरा संदेश साझा किया। मीरा ने अपनी और शाहिद की रोमांटिक तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा, "मेरे रोमियो, जब वो पूछे 'मैं हूं कि हूं नहीं?' तो याद रखना, तुम वही हो अथक, अविश्वसनीय प्रतिभा वाले, जिनकी आंखें हजारों शब्द कहती हैं। तुम्हारा दिल हमेशा सब ठीक करने की कोशिश करता है, और जो तुम्हें थामे हुए है, वही प्रकाश है। अब चमकने का समय है। तुम्हें शानदार कहना भी कम होगा। मुझे तुम पर बहुत गर्व है।" मीरा की इस पोस्ट से साफ झलकता है कि उन्हें शाहिद और उनकी नई फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। साल 2019 में शाहिद कपूर ने कबीर सिंह के साथ बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की थी, लेकिन इसके बाद उनकी फिल्मों का प्रदर्शन औसत रहा। ऐसे में 'ओ रोमियो' को लेकर फैंस और परिवार, दोनों की एक्सपेक्टेशंस काफी बढ़ गई हैं। फिल्म की एडवांस बुकिंग ने भी निर्माताओं की उम्मीदें बढ़ाई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'ओ रोमियो' 11 फरवरी तक लगभग 1.42 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग कर चुकी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारत में तय किए गए 3,449 शोज के लिए 11 जनवरी तक करीब 16,226 टिकट बिक चुके थे। सबसे ज्यादा टिकट्स दिल्ली-एनसीआर रीजन में खरीदे गए हैं। 'ओ रोमियो' एक रोमांटिक और एक्शन-पैक्ड कहानी है, जिसमें शाहिद कपूर बेहद इंटेंस और खूंखार लुक में दिखाई दे रहे हैं।

सिटी नर्सिंग होम का 17वॉ वार्षिक शिविर सम्पन्न

250 मरीज़ों की जाँचकर 5से 10 दिन की दवा का निशुल्क वितरण किया गया

तरुणमित्र

शाहगंज जौनपुर। सिटी नर्सिंग होम शाहगंज एवं एस बी एम वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 17वॉ वार्षिक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर हुआ सम्पन्न। इस शिविर मे नगर के तमाम चिकत्साकों ने अपनी सेवाएं प्रदान की मुख्यरूप से डॉ जे॰ पी॰ दूबे- आरके हॉस्पिटल ,डॉ फ़ारूक़ अरशद सर सैयद हॉस्पिटल ,डॉ आक़िल ,डॉ खुर्शीद ,डॉ सिकंदर, डॉ देवी प्रसाद पुष्प जीवी- विद्या चाइल्ड हॉस्पिटल, जौनपुर प्रेस क्लब शाहगंज के अध्यक्ष चंदन कुमार जायसवाल, पत्रकार पंकज जयसवाल ,दीपक सिंह, राजकुमार ,डॉ तारिक़ आज़मी ,डॉ सुनील दूबे और पैथोलॉजिस्ट आरती पाल उपस्थित रहे कार्यक्रम की आयोजक सिटी नर्सिंग होम की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ सैय्यदा हुमेरा ने बताया की शिविर मे उपस्थित सभी महिलाओ पुरुषो एवं बच्चों की मुफ्त जाँच कर 5/से 10 दिन की दवा मुफ्त वितरण की गई एवं सभी प्रकार की जाँच भी निशुल्क की गई शिविर का उद्घाटन समाज सेवी परवेज़ आलम भुट्टू ने फीता काटकर किया एवं मुख्यातिथि के रूप मे उपस्थित रहे पूर्व विधायक डॉ हाफ़िज़ इरशाद साहब रहे विधायक ने शिविर की प्रशांसा करते हुए कहा की ऐसे काम समाज मे निरंतर होने चाहिए वही परवेज़ आलम भुट्टू ने कहा समाज को शिक्षा और स्वास्थ्य की ज़रूरत है और विशिष्ट अतिथि मे विमलेन्द्र पांडेय प्रधानाचार्य सरस्वती शिशु मंदिर शाहगंज ,लायंस क्लब स्टार के अध्यक्ष अरुण पांडेय, मनोज जायसवाल, मनोज पांडेय, रविकांत जायसवाल , राहुल राज मिश्रा ,जसीम खान, अबसार कुरैशी, आज़म खान, अबू तालिब शैख़ ,पीर मोहम्मद, शिवांगी यादव ,आकाश यादव नेशनल चैंपियन, डॉ जेड ए खान ,डॉ रेहान खान त्यादि लोग उपस्थित रहे और अन्त मे सिटी नर्सिंग होम के चिकित्सक डायरेक्टर व संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिन्दू मुस्लिम एकता के प्रतीक डॉ तारिक़ शैख़ ने समस्त अतिथियों का व चिकित्सकों का आभार प्रकट कर धन्यवाद दिया

समय पर जांच से कैंसर जानलेवा नहीं रहतीः हिना खान

मुंबई। कैंसर सर्वाइवर और लोकप्रिय टीवी एक्ट्रेस हिना खान ने कहा कि कैंसर सुनने में जितना भयावह लगता है, उतना ही जरूरी है यह समझना कि समय पर जांच और स्क्रीनिंग से यह बीमारी जानलेवा नहीं रहती। हाल ही में सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल द्वारा आयोजित ऑन्कोलॉजी लीडरशिप टाउनहॉल 'इलुमिनेट 3.0' में शामिल हुईं, जहां हिना खान ने अपने अनुभव साझा कर लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि शुरुआती चरण में पता चलने पर कैंसर से लड़ना पूरी तरह संभव है, और इस दौरान मानसिक मजबूती सबसे महत्वपूर्ण होती है। कार्यक्रम में हिना ने अपने परिवार और पति रॉकी द्वारा मिले भावनात्मक समर्थन का जिक्र करते हुए कहा, "मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हूं कि इस मंच पर आने का अवसर मिला। डॉक्टरों की मेहनत और मेरे परिवार, खासकर रॉकी के हौसले की वजह से ही मैं आज यहां हूं। शादी के बाद भी हमारे रिश्ते में कोई बदलाव नहीं आया, वे हमेशा पहले की तरह मेरा ख्याल रखते हैं।"अपनी लंबी और चुनौतीपूर्ण कैंसर जर्नी पर बात करते हुए हिना ने कहा कि यह सफर आज भी जारी है और वे लगातार रिकवरी की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि कई लोग उनसे पूछते हैं कि उन्होंने क्या किया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी एक व्यक्ति का अनुभव सभी के लिए समान नहीं हो सकता क्योंकि हर शरीर अलग तरह से प्रतिक्रिया देती है। हिना ने कहा, "मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगी कि हमें आज में जीना चाहिए। खुश रहना जरूरी है क्योंकि कब क्या हो जाए, कोई नहीं जानता। कई लोग बेहद हेल्दी होते हुए भी अचानक बीमारियों से घिर जाते हैं, इसलिए हर पल को जीना चाहिए।

ख़ास ख़बर

बसंत कालीन गन्ने के साथ " भिण्डी " बोकर आय बढाये किसान

भिण्डी बोने के 40 से 45 दिनो में तुड़ाई , सब्जी तैयार

तरुणमित्र कुशीनगर। बसंत कालीन गन्ने के साथ भिण्डी की सहफसली खेती करके किसान अपनी आय बढ़ायें तथा गन्ने की उत्पादन लागन को कम किया जा सकता है। भिण्डी बोने के 40 से 45 दिनो पर सब्जी के लिए तुड़ाई किया जाता है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र - पिपराईच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने दी। बताया कि भिण्डी की अच्छी पैदावार के लिए खेत की तैयारी के समय 50 से 60 कुन्तल गोबर की सड़ी खाद प्रति एकड़ प्रयोग करें अपने क्षेत्र के अनुसार अधिक उपज देने वाली भिण्डी की प्रमुख किस्मे बीआरओ- 6, राधिका, परमनी क्रान्ति, नब्या, सिद्धी- अंकुर , आईआईवी आर-10 आदि। गन्ने की अधिक उपज देने वाली प्रमुख प्रजातियां को.0118 , कोलख- 14201, कोशा- 1723, कोस 8452, 17451 , कोशा 13235, कोलक -15470 आदि I पूर्व सहायक निदेशक श्री गुप्ता ने बताया कि गन्ने की बुवाई 120 सेमी. की दूरी पर नाली बनाकर, 2 आंख का टुकड़ा काट कर, उपचारित कर बुवाई करें। भूमि उपचार के लिए 4 किग्रा. एकड़ ट्राईकोडर्मा को गोबर की सड़ी खाद मे मिलकर 4 से 5 दिन रखे , अंतिम जुताई के समय प्रयोगर करें। गन्ने की खेती का उत्पादन लागत बढ़ रहा है, गन्ना क्षेत्रफल घट रहा है। गन्ने की दो लाईन के बीच मिण्डी की दो लाईन बुवाई करें। एक एकड़ गन्ने में भिण्डी बोने के लिए साढ़े तीन से 4 किग्रा. बीज लगता है। भिण्डी के बीज को रात में भिगो दें। भिण्डी के लिए अलग से उर्वरक गन्ने की दो पंक्ति के बीच 50 किग्रा. डीएपी तथा 25 किग्रा. म्यूरेट आफ पोटाश तथा 15 किग्रा. यूरिया प्रयोग करें। भिण्डी की लाईन से लाईन की दूरी 35 से 40 सेमी तथा पौध से पौध की दुरी 25 सेमी. तथा 3 सेमी. गहरी बुवाई करें। भिण्डी बोने के 30 से 35 दिनो पर निराई, गुड़ाई करके खरपतवार निकाल दे, हल्की सिचाई करें। 30 किग्रा. यूरिया प्रति एकड़ प्रयोग करें। फरवरी माह में मिण्डी बोकर 35 से 40 रुपया किलो आसानी से बेच सकते है, देर करने पर रेट कम हो जाता है बुवाई के 40 से 45 दिनो मे सब्जी के लिए तैयार हो जाता, तीसरे या चौथे दिन तुड़ाई करते है, भिण्डी का उपज 18 से 20 कुन्तल प्रति एकड़ लगभग 60 से 70 हजार का होगा। जो किसानो की आय बढ़ाने मे सहायक होगा। पूर्व सहायक निदेशक ने सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी , कल्यानपुर - कानपुर जाकर जानकारी ली है।

सीता स्वयंवर प्रसंग पर भक्ति में डूबा रामलीला मैदान

» राजन जी महाराज के सजीव वर्णन से भावविभोर हुए श्रद्धालु

तरुणमित्र(जौनपुर) नगर के रामलीला मैदान में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा में कथा व्यास पूज्य राजन जी महाराज ने सीता स्वयंवर प्रसंग का अत्यंत मार्मिक और ओजस्वी वर्णन किया। उनके भावपूर्ण शब्दों ने श्रद्धालुओं को त्रेतायुग की उस पावन बेला में पहुंचा दिया, जब मिथिला की धरती पर भगवान श्रीराम और माता सीता का दिव्य मिलन हुआ था। कथा के दौरान "सिया राम मय सब जग जानी" और "जय श्रीराम" के जयघोष से पूरा पंडाल गूंज उठा। महाराज ने बताया कि मिथिला नरेश राजा जनक ने अपनी पुत्री सीता के विवाह हेतु भव्य स्वयंवर का आयोजन किया था। स्वयंवर की शर्त थी कि जो वीर भगवान शिव के दिव्य धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा, वही सीता का वरण करेगा। महाराज ने विस्तार से वर्णन किया कि स्वयंवर सभा में देश-विदेश के पराक्रमी राजा उपस्थित हुए, परंतु कोई भी उस दिव्य धनुष को हिला तक न सका। तभी गुरु विश्वामित्र के आदेश पर राम ने अत्यंत विनम्रता और सहज भाव से धनुष उठाया। जैसे ही उन्होंने प्रत्यंचा चढ़ाने का प्रयास किया, धनुष भंग हो गया और पूरी सभा आश्चर्य से स्तब्ध रह गई। इसके पश्चात माता सीता ने लज्जा और हर्ष से अभिभूत होकर भगवान राम के गले में जयमाला डाल दी। जनकपुर में मंगल गीत गूंज उठे और देवताओं ने पुष्पवर्षा की। कथा व्यास ने कहा कि सीता स्वयंवर त्याग, मर्यादा, समर्पण और आदर्श दांपत्य जीवन का प्रेरक प्रसंग है। कथा के अंत में भव्य आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया उक्त अवसर पर उपस्थित लोगों में भुवनेश्वर मोदनवाल ,वेद प्रकाश जायसवाल धीरज पाटिल ,जौनपुर प्रेस क्लब शाहगंज के अध्यक्ष चंदन कुमार जायसवाल, जिलाधिकारी जौनपुर, विधायक रमेश सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष रचना सिंह, वीरेंद्र सिंह बंटी , पत्रकार राजकुमार, गौरव चतुर्वेदी एडवोकेट हाई कोर्ट इलाहाबाद ,मनीष अग्रहरि ड्रेसज, घनश्याम जायसवाल, कमलेश अग्रहरि नेता ,उमेश जायसवाल ,कालीचरण जायसवाल, देवेंद्र साहू शेखर साहू ,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गीता प्रदीप जायसवाल ,विनोद सिंह ,शीतल अग्रवाल ,मनोज ड्रेसज , सुशील सिंह साड़ी संसार ,शीतल अग्रवाल ,सत्येंद्र मोदनवाल अनिल मोदनवाल, प्रहलाद मोदनवाल, दीपक सिंह पत्रकार ,राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद शाहगंज अध्यक्ष पंकज जयसवाल, वैदेही सखी शक्ति समिति की अध्यक्ष नीतू मिश्रा, नीरज मिश्रा ,स्वेच्छा जायसवाल, साक्षी जायसवाल, रूबी ,अनुपमा,स्वाती, खुशबू जायसवाल ,बिट्टू किन्नर, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रुदौली-मवई में हमारा आंगन, हमारे बच्चे कार्यक्रम, विधायक रामचंद्र यादव ने बच्चों को वितरित की शैक्षिक सामग्री

तरुणमित्र

रुदौली,अयोध्या। बेसिक शिक्षा विभाग और बाल विकास पुष्टाहार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ब्लॉक संसाधन केंद्र खैरनपुर परिसर में हमारा आंगन, हमारे बच्चे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक रामचंद्र यादव रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कस्तूरबा आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत और सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि रामचंद्र यादव ने कहा कि योगी सरकार की सत्ता में आने के बाद सरकारी स्कूलों की सोच आम जनमानस में बदल गई है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से सरकारी विद्यालयों का ढांचागत विकास हुआ है और बुनियादी सुविधाओं में वृद्धि हुई है। विधायक ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और शिक्षिकाओं को आवाहन किया कि जैसे मां यशोदा ने भगवान कृष्ण का पालन-पोषण किया, वैसे ही 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की देखभाल और शिक्षा का ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि आज के छात्र और छात्राएं कल के भविष्य हैं, इसलिए शिक्षक और समाज दोनों को बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने में योगदान देना होगा। इस दौरान विकासखंड रुदौली की 10 न्याय पंचायतों के 50 बच्चों को शैक्षिक सामग्री किट वितरित की गई। मवई क्षेत्र के ग्राम पंचायत नेवरा में भी इसी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को शैक्षिक सामग्री वितरित की गई और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों की देखभाल एवं गतिविधि-आधारित शिक्षण के महत्व पर मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए जिलाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों के विद्यालय में ठहराव के लिए शिक्षकों को गतिविधि-आधारित शिक्षण को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कहानी, गायन और अन्य गतिविधियां बच्चों को सीखने से जोड़ती हैं और शिक्षकों की मेहनत से आज परिषदीय विद्यालय प्राइवेट स्कूलों से आगे निकल चुके हैं। उन्होंने कार्यशाला में निपुण भारत मिशन पर भी विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन रामकृष्ण गुप्ता ने किया और आभार ज्ञापन खंड शिक्षा अधिकारी रमाकांत राम ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी, जिला प्रवक्ता रामकृष्ण गुप्ता, जूनियर शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र प्रताप मौर्य, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम सुरेश, कोषाध्यक्ष मोहम्मद गयास, रामानुज तिवारी, पंकज यादव, अशोक यादव, अनीता यादव, मंजू देवी मिश्रा, आशीष यादव, विपिन पालीवाल, द्वारिका मिश्रा, पांचुराम, अरविंद कुमार, पवन राजपूत, शैलेश, स्वामीनाथ, एआरपी दीपक वर्मा, रोहित कुमार, श्याम जी मिश्र, चित्रसेन गिरी, अशोक कुमार, अरुण यादव, मंजू, सरोज भारती, काजल सहित अन्य शामिल रहे।

मेजा तहसील में डीएम का औचक निरीक्षण, वर्षों से लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

अभिलेखों के खराब रख-रखाव पर नाराजगी, व्यवस्था सुधारने के दिए सख्त आदेश

तरुणमित्र

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को मेजा तहसील पहुंचकर तहसील परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया और प्रशासनिक व्यवस्था, अभिलेख प्रबंधन तथा लंबित मामलों के निस्तारण की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई कमियों पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार न्यायालयों सहित विभिन्न पटल का निरीक्षण करते हुए पाया कि कई मामलों में फाइलों का रख-रखाव संतोषजनक नहीं है तथा धारा-38 सहित अन्य धाराओं से जुड़े मामलों की बड़ी संख्या वर्षों से लंबित पड़ी है। इस पर उन्होंने 3 वर्ष और 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों की अलग सूची बनाकर नियमित सुनवाई के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी प्रकरणों का विधिवत रजिस्टर में अंकन किया जाए तथा लंबित और निस्तारित फाइलों को अलग-अलग कर सुव्यवस्थित ढंग से सुरक्षित रखा जाए। अंश निर्धारण, वरासत, धारा 32/38 तथा धारा-24 जैसे अविवादित मामलों का त्वरित निस्तारण करने को भी कहा गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। जनता दर्शन से संबंधित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समय पर निस्तारण सुनिश्चित करने के साथ कार्यालयी अनुशासन एवं कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति पर भी जोर दिया गया। तहसील परिसर में साफ-सफाई एवं पेयजल व्यवस्था सुधारने के भी निर्देश दिए गए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने अभिलेखागार और संग्रह अनुभाग का निरीक्षण किया, जहां ग्राम बिसहिजन खुर्द से संबंधित अभिलेखों का रख-रखाव अत्यंत खराब स्थिति में पाया गया। कई अभिलेख कटे-फटे अवस्था में मिले और बस्ता सूची भी अनुपस्थित पाई गई। इस पर उन्होंने अभिलेखों की टेपिंग, बाइंडिंग तथा सुरक्षित संरक्षण की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अधिवक्ताओं ने एसीपी कार्यालय तहसील परिसर से दूर होने की समस्या उठाई और उसे परिसर में स्थापित करने की मांग की। जिलाधिकारी ने इस मांग पर विचार हेतु पुलिस आयुक्त को पत्र भेजने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मेजा सुरेन्द्र यादव, जिला विकास अधिकारी जी.पी. कुशवाहा, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एस पी पब्लिक स्कूल के छात्र रौशन कुमार ने आईआईटी जेईई मेन किया उत्तीर्ण

तरुणमित्र

राजापाकड़/कुशीनगर। गुरवलिया बाजार स्थित एस पी पब्लिक स्कूल में अध्ययनरत कक्षा 12 के छात्र रौशन कुमार ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (आईआईटी जेईई मेन) उत्तीर्ण कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। द्यिालय के प्रधानाचार्य विनित मणि त्रिपाठी ने बताया कि रौशन किसी भी निजी कोचिंग संस्थान से नहीं जुड़ा था। वह नियमित रूप से विद्यालय की कक्षाओं में उपस्थित रहता था और स्वाध्याय के माध्यम से तैयारी करता था। उसकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। विद्यालय के निदेशक विशाल पाठक ने रौशन को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और छात्र की कड़ी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अध्ययन करने की प्रेरणा दी। बताया गया कि रौशन ने अपनी श्रेणी की कटऑफ से 25 परसेंटाइल अधिक अंक प्राप्त कर यह सफलता हासिल की है। विद्यालय परिवार ने उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। साथ ही,आज से प्रारंभ हो रही कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी गईं तथा आत्मविश्वास और परिश्रम के साथ परीक्षा देने का संदेश दिया गया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को लगाई फटकार-जिलाधिकारी

आपसी सुलह से समाधान पर जोर

जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि जहां संभव हो, दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से विवादों का समाधान कराया जाए, जिससे अनावश्यक मुकदमेबाजी एवं तनाव से बचा जा सके। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि लापरवाही अथवा शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनता दर्शन में आए फरियादियों ने जिलाधिकारी की सक्रियता की सराहना करते हुए निष्पक्ष सुनवाई पर संतोष व्यक्त किया।

तरुणमित्र

भदोही। जिले के जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना। विभिन्न विभागों से संबंधित भूमि विवाद, राजस्व प्रकरण, पुलिस, विकास एवं अन्य शिकायतों पर जिलाधिकारी ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तहसीलदारों, खंड विकास अधिकारियों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का मौके पर जाकर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल औपचारिकता पूर्ण करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए।

श्री रामस्वरूप मेमोरियल ग्रुप का वार्षिक टेक्नो-कल्चरल महोत्सव 'अनुभूति एवं अभिव्यक्ति 2026' 18 से 21 फरवरी तक

तरुणमित्र

लखनऊ। श्री रामस्वरूप मेमोरियल ग्रुप (SRMU एवं SRMCEM) द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में वार्षिक टेक्नो-कल्चरल महोत्सव "अनुभूति एवं अभिव्यक्ति 2026" की औपचारिक घोषणा की गई। यह बहुप्रतीक्षित आयोजन 18 से 21 फरवरी 2026 तक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिसर में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय एक अग्रणी बहुविषयक निजी विश्वविद्यालय के रूप में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार तथा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए निरंतर कार्यरत है। वहीं, श्री रामस्वरूप मेमोरियल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट उद्योगोन्मुखी शिक्षा, उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों और सुदृढ़ प्लेसमेंट रिकॉर्ड के लिए प्रसिद्ध है। इस महोत्सव की संकल्पना संस्थान के कुलाधिपति एवं संस्थापक इंजीनियर पंकज अग्रवाल तथा प्रो-कुलाधिपति एवं सह-संस्थापिका श्रीमती पूजा अग्रवाल की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए इंजीनियर पंकज अग्रवाल ने बताया कि चार दिवसीय इस आयोजन का समापन 21 फरवरी 2026 को एक भव्य स्टार नाइट के साथ होगा, जिसमें लोकप्रिय बॉलीवुड गायक दर्शन रावल अपनी प्रस्तुति देंगे। यह कार्यक्रम महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि आयोजन के सभी कार्यक्रमों का संचालन और प्रबंधन स्वयं छात्र-छात्राओं द्वारा किया जा रहा है, जिससे उनमें नेतृत्व क्षमता, संगठन कौशल, उद्यमिता सोच और रोजगारोन्मुखी दक्षताओं का विकास होता है। विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल (डॉ.) विजय कुमार तिवारी तथा SRMCEM के निदेशक प्रो. (डॉ.) भावेश कुमार चौहान ने संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान गतिविधियों, प्लेसमेंट रिकॉर्ड और महोत्सव की रूपरेखा की जानकारी मीडिया प्रतिनिधियों को दी। इस अवसर पर SRMU की सांस्कृतिक सचिव डॉ. वीना सिंह एवं SRMCEM के सांस्कृतिक सचिव इंजीनियर मयंक कुमार श्रीवास्तव ने ऑन-स्टेज एवं ऑफ-स्टेज प्रतियोगिताओं के साथ महोत्सव की थीम और कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण साझा किया। उन्होंने बताया कि विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र भी इस आयोजन में भाग लेंगे। महोत्सव के प्रमुख आकर्षणों में फैशन शो, बैंड एवं डीजे नाइट, स्टैंड-अप कॉमेडी, एकॉस्टिक सिंगिंग, 'कॉलेज की कहानी', कॉलेज बैंड प्रस्तुति, 'अस्तित्व' कार्यक्रम, तकनीकी प्रतियोगिताएँ तथा विविध सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम शामिल हैं। कार्यक्रम के अंत में मीडिया समन्वयक ने सभी प्रेस प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें 18 से 21 फरवरी तक आयोजित इस भव्य समारोह में सहभागी बनने का आमंत्रण दिया।

क्या दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों को हवाई जहाज में यात्रा करने का अधिकार नहीं है? : नवीन

तरुणमित्र

पटना। बिहार की राजनीति में इन दिनों एक अधिकारी के चार्टर प्लेन से सफर को लेकर सियासी घमासान दुर्भाग्यपूर्ण है।बिहार कैडर के 2011 बैच के IAS अधिकारी नीलेश देवरे के परिवार सहित चार्टर विमान से यात्रा करने को लेकर विपक्ष ने विधान परिषद में गंभीर सवाल उठाए,जिसके बाद सदन में तीखी बहस हुई।.दरअसल यह चार्टर विमान यात्रा से जुड़ा मामला सामने आने के बाद नौकरशाही के अंदरूनी गलियारों में उनके कामकाज और प्रोफाइल को लेकर दिलचस्पी बढ़ गई है।यह मुद्दा विधानसभा में राहुल कुमार के उठाए जाने के बाद और ज्यादा सुर्खियों में आ गया।नवीन पासवान ने कहा विपक्ष मुद्दा से हट के समय बर्बाद कर रहे है।विपक्ष को रोजगार,दवाई,कमाई शिक्षा,हत्या,अपहरण से इन सब मुद्दों पर सदन में बात करनी चाहिए और इसे प्राथमिकता में लेना चाहिए।विधान परिषद में राहुल कुमार ने आईएएस अधिकारी नीलेश देवरे के चार्टर प्लेन से सफर करने का मुद्दा उठाया। इस मुद्दे पर राज्य सरकार की ओर से मंत्री अशोक चौधरी ने विपक्ष के आरोपों पर पलटवार किया. उन्होंने कहा कि यह मामला कोई नया नहीं, बल्कि पिछले साल जुलाई का है. उस समय वह स्वयं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ उसी चार्टर विमान में यात्रा कर रहे थे.उनके मुताबिक यात्रा के दौरान दो कार्यक्रम तय थे- एक सरकारी और दूसरा देवेश चंद्र ठाकुर के आवास पर निजी कार्यक्रम.मंत्री ने स्पष्ट किया कि वापसी के समय विमान खाली लौट रहा था,ऐसे में अधिकारी का उसमें बैठकर लौट आना कोई गलत बात नहीं है.बिहार कैडर के 2011 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी नीलेश रामचंद्र देवरे इन दिनों प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बना के विपक्ष जनहित की बात नहीं कर रहे है।वर्तमान में वे बिहार पर्यटन विभाग के सचिव और नागरिक उड्डयन से जुड़े अहम प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।इसके साथ ही वे बिहार चिकित्सा सेवा एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं।श्री पासवान ने कहा नीलेश देवरे मधुबनी और छपरा जैसे जिलों में जिलाधिकारी रह चुके हैं।बाद में उनकी तैनाती केंद्र सरकार में हुई,जहां उन्होंने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के निजी सचिव के रूप में कार्य किया. उस समय वे बेतिया में जिलाधिकारी पद पर तैनात थे.मूल रूप से नासिक के रहने वाले देवरे एक शिक्षित मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं. उन्होंने पहले मेडिकल की पढ़ाई पूरी की, लेकिन बाद में प्रशासनिक सेवा को अपना करियर बनाया।पासवान ने साफ कहा ये विवाद को सामाजिक पहलू से भी जोड़ा.उन्होंने सवाल उठाया कि क्या दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों को हवाई जहाज में यात्रा करने का अधिकार नहीं है? उन्होंने विपक्ष को कहा कि जो लोग इस मामले को मुद्दा बना रहे हैं,उनके राजनीतिक और सामाजिक बैकग्राउंड की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जब देवरे स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ थे, तब उन्होंने सप्लाई से जुड़े 15 लोगों पर कार्रवाई की थी.ये लोग उनसे कही न कही जुड़े थे।और उसी कार्रवाई की वजह से अब विवाद खड़ा किया जा रहा है.

कुंडी काटकर लाखों के जेवर चोरी, खेत पर गए दंपती के सूने घर में घुसे चोर

सोना-चांदी और 20 हजार नकद पार; पुलिस ने तहरीर लेकर मुकदमे का आश्वासन दिया

तरुणमित्र

भदोही। जिले के कोइरौना थाना क्षेत्र के सूर्यभानपुर बिंद बस्ती में बीती रात चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवरात और नगदी पार कर दी। घटना उस समय हुई जब सत्य नारायण बिंद पत्नी गोतिरा देवी के साथ खेत पर गए थे। घर के दूसरे कमरे में उनके दोनों बेटे सो रहे थे। इसी बीच चोरों ने मुख्य दरवाजे की कुंडी काटकर भीतर प्रवेश किया और कमरे में रखा बक्सा खंगाल दिया। चोर करीब 500 ग्राम चांदी की हंसुली, 4 ग्राम सोने का मंगलसूत्र लॉकेट, 4 ग्राम सोने का कर्णफूल, 1 ग्राम सोने की नथुनी, 300 ग्राम चांदी की पेटी, 100 ग्राम चांदी की पायल/छागल, 8 चांदी की अंगूठियां, 8 चांदी के मीना तथा 20 हजार रुपये नकद उठा ले गए। सुबह जब परिवार घर लौटा तो सामान बिखरा देख उनके होश उड़ गए। सूचना पर आसपास के लोग भी जुट गए। पीड़ित सत्य नारायण बिंद ने बताया कि पूर्व में चोट लगने से वह शारीरिक रूप से काम करने में असमर्थ हैं।

परिवार साझे की खेती से गुजर-बसर कर रहा है। दो बेटे (21 व 16 वर्ष) हैं। चोरी गए सभी जेवर उनके पिता महंगू राम ने बनवाए थे, जिन्हें वर्षों से सहेज कर रखा था। घटना के बाद गोतिरा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही सेमराध पुलिस चौकी से चौकी इंचार्ज संतोष सिंह और पीआरवी 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिवार से लिखित तहरीर ले ली है। चौकी इंचार्ज ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा और सभी पहलुओं पर जांच करते हुए जल्द खुलासे का प्रयास किया जाएगा।

नवी मुंबई की राजनीति में अपनों के बीच आर-पार: गणेश नाईक और शिंदे गुट में ठनी

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। नवी मुंबई मनपा में सत्ता की बिसात पर अब शह और मात का खेल दिलचस्प हो चला है. महापौर और उपमहापौर की कुर्सी सुरक्षित करने के बाद, अब असली घमासान परिवहन समिति और स्वीकृत सदस्य के पदों को लेकर शुरू हो गया है. शहर के राजनीतिक गलियारों में उस वक्त खलबली मच गई जब भाजपा ने परिवहन समिति की सभी 12 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए. इसे वनमंत्री गणेश नाईक द्वारा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को दिया गया एक सीधा और कड़ा जवाब माना जा रहा है।

महापौर सुजाता पाटिल, उपमहापौर दशरथ भगत और पूर्व सांसद डॉ. संजीव नाईक की मौजूदगी में भाजपा ने जिस तरह अपनी ताकत दिखाई, उसने साफ कर दिया है कि भाजपा अब बैकफुट पर खेलने के मूड में नहीं है. वहीं दूसरी ओर, शिवसेना (शिंदे गुट) ने भी अपने पदाधिकारियों के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए पर्चा भरा है. जानकारों की मानें तो नाईक और शिंदे के बीच बढ़ती तल्खी अब खुलेआम सड़कों और सदन तक आ पहुंची है. भाजपा के पास फिलहाल 65 पार्षदों और एक निर्दलीय का समर्थन है, जिससे उनका पलड़ा भारी नजर आ रहा है. स्वीकृत सदस्य पद के लिए भाजपा ने 6 और शिवसेना ने 4 उम्मीदवारों पर दांव लगाया है।

परिवहन समिति की 12 सीटों के लिए भाजपा की इस घेराबंदी ने शिवसेना की टेंशन बढ़ा दी है. आम तौर पर आपसी समझ से होने वाले इन चुनावों में अब मुकाबला अनिवार्य हो गया है. भाजपा की इस रणनीतिक चाल को शिवसेना के पुराने आरोपों और बयानों के पलटवार के तौर पर देखा जा रहा है. अब सबकी नजरें शुक्रवार, 20 फरवरी को होने वाली सदन की कार्यवाही पर टिकी हैं, जहां हाथ उठाकर होने वाला मतदान यह तय करेगा कि नवी मुंबई की इस सियासी जंग में किसका पलड़ा भारी रहता है. इस पूरे घटनाक्रम पर पूर्व सांसद संजीव नाईक और महापौर सुजाता पाटिल ने अपनी जीत का भरोसा जताते हुए विरोधियों को स्पष्ट संकेत दे दिए हैं।

तुर्भे और कोपरखैरणे में अवैध निर्माण जमींदोज

होटल और रिहायशी अतिक्रमणों पर चला प्रशासन का हथौड़ा

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। शहर की नियोजन व्यवस्था को चुनौती देने वाले अवैध निर्माणों के खिलाफ नवी मुंबई महानगरपालिका ने अपना एक्शन मोड ऑन कर दिया है. आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के कड़े रुख के बाद अतिक्रमण विभाग ने तुर्भे और कोपरखैरणे संभागों में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए कई अवैध ढांचों को मलबे में तब्दील कर दिया. इस धडक मुहिम के तहत न केवल व्यावसायिक अतिक्रमणों को हटाया गया, बल्कि नियमों का उल्लंघन करने वालों से भारी जुर्माना भी वसूला गया, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

कार्रवाई का सबसे बड़ा प्रहार तुर्भे विभाग के सेक्टर 19सी में देखने को मिला, जहाँ होटल विसावा ने अपनी निर्धारित सीमा से बाहर निकलकर समासी जगह में अवैध शेड तान दिया था. प्रशासन ने पहले नोटिस देकर चेतावनी दी थी, लेकिन होटल प्रबंधन द्वारा व्यावसायिक गतिविधि जारी रखने पर सहायक आयुक्त सागर मोरे और कनिष्ठ अभियंता विनोद आंब्रे की टीम ने गैस कटर और भारी कार्यबल के साथ मौके पर पहुँचकर इस अवैध शेड को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया. इस दौरान भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात रहा ताकि किसी भी विरोध को समय रहते नियंत्रित किया जा सके. उधर, कोपरखैरणे संभाग में भी महानगरपालिका का दस्ता पूरी तैयारी के साथ सड़कों पर उतरा. सेक्टर 3 स्थित रूम नंबर 111 में प्रकाश और विकास गुप्ता द्वारा किए गए अवैध निर्माण पर इलेक्ट्रॉनिक हैमर चलाकर उसे आंशिक रूप से ढहा दिया गया. इसी विभाग में सुभद्राबाई आव्हाड और शैतान सिंह चौहान जैसे संपत्ति धारकों के खिलाफ भी एमआरटीपी एक्ट की धारा 54 के तहत कार्रवाई की गई. खास बात यह रही कि प्रशासन ने यहाँ केवल तोड़फोड़ ही नहीं की, बल्कि अवैध निर्माण के दंड स्वरूप कुल 20 हजार रुपये का जुर्माना भी मौके पर ही वसूला. वरिष्ठों के मार्गदर्शन में चली इस मुहिम ने स्पष्ट संदेश दिया है कि सरकारी जमीन या नियमों के विरुद्ध किया गया कोई भी निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. महानगरपालिका प्रशासन ने चेतावनी दी है कि शहर के किसी भी कोने में यदि अवैध निर्माण पाया जाता है, तो आने वाले दिनों में यह अभियान और भी अधिक आक्रामक और तीव्र होगा।

एआई समिट पीएम मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान का सफल प्रतिरूप है

यह तकनीकी क्षमता, नवाचारशीलता और भविष्य- दृष्टि का सशक्त प्रमाण है : शंकर ठक्कर

तरुण मित्र ब्यूरो

मुंबई। कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) पर दिल्ली में शिखर सम्मेलन भारत की डिजिटल यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सम्मेलन विभिन्न क्षेत्रों—उद्योग, व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वित्त, लॉजिस्टिक्स और शासन—में AI के प्रभावी उपयोग का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जिससे सकारात्मक और सतत विकास को गति मिल सके। इस समिट का एक अवलोकन स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भविष्य टेक्नोलॉजी का ही है फिर वो चाहे कोई भी सेक्टर हो । कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं दिल्ली चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी एवं प्रगतिशील नेतृत्व में भारत ने डिजिटल क्रांति की शुरुआत 1 जुलाई 2015 को डिजिटल इंडिया लांच कर की थी और आज भारत वैश्विक AI परिदृश्य में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। 'डिजिटल इंडिया' के संकल्प के साथ नवाचार, स्टार्टअप्स और स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देकर भारत ने AI को समावेशी विकास का सशक्त माध्यम बनाया है। अब समय आ गया है जब देश के व्यापारियों को भी अपने व्यापार के वर्तमान स्वरूप को एआई टेक्नोलॉजी से जोड़ना आवश्यक है तभी व्यापार में वृद्धि संभव है। यह शिखर सम्मेलन डिजिटल तकनीक के नए अवतार को प्रदर्शित करता है—जहाँ डेटा-संचालित निर्णय, स्वचालन, नैतिक AI, साइबर सुरक्षा और कौशल विकास पर विशेष बल दिया गया है वहीं सम्मेलन में यह भी रेखांकित किया गया कि कैसे AI एमएसएमई की उत्पादकता बढ़ा सकता है, कृषि में सटीक खेती को सक्षम कर सकता है, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ व किफायती बना सकता है, शिक्षा में व्यक्तिगत सीख को प्रोत्साहित कर सकता है और सुशासन को अधिक पारदर्शी व प्रभावी बना सकता है। शंकर ठक्कर ने कहा भारत के पास विशाल प्रतिभा, मजबूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और नवाचार की संस्कृति है।

पनवेल पुलिस का ऑपरेशन क्लीन: महिला पर हमले के बाद एक्शन मोड में प्रशासन, 34 रिक्षा जब्त

तरुणमित्र/ब्यूरो

पनवेल। शहर में महिला यात्री पर हुए जानलेवा हमले के बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है. नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए पनवेल पुलिस और आरटीओ ने संयुक्त रूप से बेशुमार और नियम तोड़ने वाले रिक्शा चालकों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है. इस विशेष अभियान के तहत पुलिस ने न केवल 180 चालकों पर मामला दर्ज किया, बल्कि 34 रिक्शा को मौके पर ही जब्त कर लिया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने 1.68 लाख रुपये का जुर्माना भी वसूला है। बीते 14 फरवरी को पनवेल में एक रिक्शा चालक द्वारा लूट के इरादे से महिला यात्री पर धारदार हथियार से हमला करने की घटना सामने आई थी. इस वारदात ने शहर में सनसनी फैला दी थी और आम जनता के मन में डर पैदा कर दिया था. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पनवेल यातायात शाखा, पनवेल शहर थाना, खांदेश्वर पुलिस और आरटीओ पनवेल ने मिलकर एक विशेष जांच दल का गठन किया. इस मुहिम में पुलिस मित्रों और वरिष्ठ नागरिकों ने भी अपना सहयोग दिया ताकि शहर की सड़कों को सुरक्षित बनाया जा सके. पनवेल रेलवे स्टेशन के पूर्व व पश्चिम परिसर सहित एचडीएफसी सर्कल जैसे व्यस्त इलाकों में पांच अलग-अलग टीमों ने घेराबंदी की. इस दौरान 350 से अधिक रिक्शा की सघन तलाशी ली गई. जांच में पाया गया कि कई चालक बिना लाइसेंस, बिना वर्दी और बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के सड़कों पर वाहन दौड़ा रहे थे. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक औदुंबर पाटील के नेतृत्व में हुई इस धडक कार्रवाई ने अवैध परिवहन करने वालों की कमर तोड़ दी है. पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और नागरिकों की सुरक्षा के लिए ऐसी मुहिम भविष्य में भी जारी रहेगी।

"हिंद दि चादर" उपक्रम, शासकीय माध्यमिक आश्रम, स्कूल मेढ़वन में हुई भाषण स्पर्धा

तरुणमित्र -ओमप्रकाश द्विवेदी

पालघर। गुरु तेजबहादुर साहिबजी की ३५०वीं शहादत वर्षगांठ के मौके पर आगामी २८ फरवरी से ०१ मार्च तक नवी मुंबई के खारघर में होने वाले कार्यक्रम के मद्देनजर डहाणू परियोजना अधिकारी तथा सहा.जिलाधिकारी विशाल खत्री के मार्गदर्शन में शासकीय माध्यमिक आश्रम स्कूल मेढ़वन में विद्यार्थियों का भाषण स्पर्धा का आयोजन किया गया। यह स्पर्धा गुरु तेजबहादुर साहिब जी की जीवनी और बलिदान विषय पर आयोजित की गयी। स्पर्धा में विद्यार्थियों ने अपने भाषण के जरिए गुरु तेजबहादुर साहिबजी के व्यक्तित्व और मानवीय संवेदनाओं का विचार प्रकट करते प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने बेहतरीन तरीके से पुरे आत्मविश्वास, शुद्ध उच्चारण, कंटेंट डेंसिटी में धारा प्रवाह के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन दिया। प्रतियोगिता में ५ वीं से १० वीं तक के विद्यार्थियों ने सहभागिता दिखाई। स्पर्धा के विजेताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय क्रमांक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया।

खाली कमरे में मिला युवक का लहूलुहान शव, धारदार हथियार से वार की आशंका

तरुणमित्र युसुफ पुरी

मुंब्रा। मुंब्रा-खरडी रोड स्थित सहारा सिटी कॉम्प्लेक्स परिसर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब अंदर निर्माणाधीन न्यू स्टार सिटी इमारत की तीसरी मंजिल पर एक खाली कमरे से 45 वर्षीय राजू यादव का शव बरामद हुआ। शव पर धारदार हथियार से हमले के निशान पाए जाने की प्राथमिक जानकारी सामने आई है, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही मुंब्रा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है, जबकि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक राजू यादव उसी परिसर में रहता था और इमारत की देखरेख का काम करता था। वह अपने पीछे पत्नी और दो बेटियां छोड़ गया है, जिनमें एक की उम्र 7 वर्ष और दूसरी महज 8 महीने बताई जा रही है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा भेज दिया है। हत्या के पीछे के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है।

भटकी हुई महिला को परिजनों के सुपुर्द किया गया

तरुणमित्र / संवाददाता

मुंबई – चर्चगेट रेलवे स्टेशन पुलिस थाने के पुलिसकर्मियों ने एक माँ-बेटी के बिछुड़ जाने के मामले में महिला के परिजनों को खोजकर उसे सुरक्षित उनके हवाले कर दिया।महिला का नाम तिलादेवी (उम्र 64 वर्ष) है। वह चर्चगेट स्टेशन पर भटक गई थीं। महिला पुलिस की ड्यूटी के दौरान, तिलादेवी और उनकी बेटी वर्षा बालेश्वर सिंह (निवासी गोरेगांव) प्लेटफॉर्म नंबर 2 से लोकल ट्रेन पकड़ते समय एक-दूसरे से बिछुड़ गए।

इसके बाद उनकी बेटी वर्षा चर्चगेट जनरल हॉल के सहायता कक्ष में पहुँची और अपनी माँ के नहीं मिलने की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने प्लेटफॉर्म पर तलाश शुरू की और चर्चगेट रेलवे स्टेशन परिसर के सभी ड्यूटी कर्मियों को फोन पर जानकारी दी।

कुछ समय बाद मरीन लाइंस रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर महिला पुलिस लाभडे को तिलादेवी मिलीं। उन्हें चर्चगेट रेलवे स्टेशन के जनरल हॉल में लाया गया, जहाँ माँ-बेटी की पहचान कराई गई। पहचान की पुष्टि होने के बाद महिला को सुरक्षित रूप से उनकी बेटी के सुपुर्द कर दिया गया।

वरिष्ठ पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ सिनकर का राष्ट्रपति से भावुक निवेदन

स्वतंत्रता सेनानियों का ऋण चुकाइए; उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित कीजिए

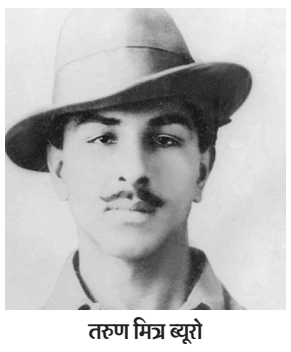

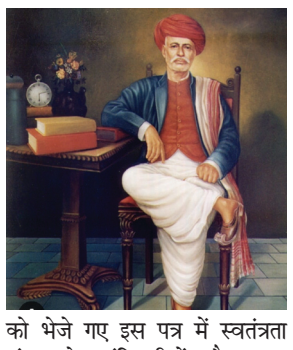

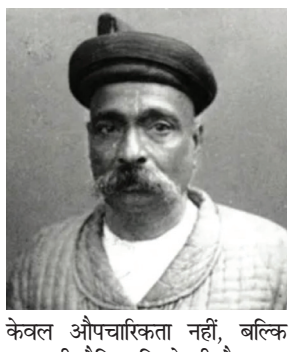

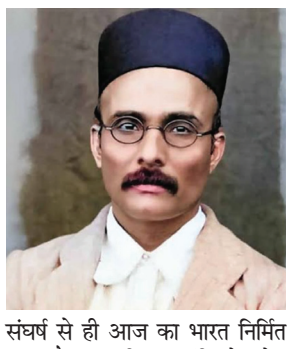

तरुण मित्र ब्यूरो

ठाणे। स्वतंत्रता के अमृतकाल में जब देश कृतज्ञता की नई परिभाषा खोज रहा है, तब वरिष्ठ पर्यावरण विशेषज्ञ एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. प्रशांत रविंद्र सिनकर ने देश के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक भावनात्मक निवेदन प्रेषित किया है। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन को भेजे गए इस पत्र में स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों और महान समाजसुधारकों को राष्ट्र के सर्वोच्च नागरिक सम्मान "भारत रत्न" से अलंकृत करने की मांग की गई है। निवेदन में कहा गया है कि आज का स्वतंत्र भारत असंख्य बलिदानों की नींव पर खड़ा है। उन बलिदानों का राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च सम्मान के साथ स्मरण होना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि राष्ट्र की नैतिक जिम्मेदारी है। बाल गंगाधर तिलक ने स्वराज का उद्घोष किया, विनायक दामोदर सावरकर ने सेल्युलर जेल की अमानवीय यातनाएँ सही, भगतसिंग, सुखदेव थापर, शिवराम राजगुरु ने हँसते-हँसते फाँसी को स्वीकार किया, वहीं सुभाषचंद्र बोस ने स्वतंत्रता संग्राम को वैश्विक पहचान दिलाई। उनके त्याग और संघर्ष से ही आज का भारत निर्मित हुआ है। सामाजिक क्रांति के क्षेत्र में ज्योतिराव फुले, सावित्रीबाई फुले तथा शाहू महाराज ने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय का दीप प्रज्वलित कर वंचित वर्गों को नई दिशा दी। डॉ. सिनकर ने अपने निवेदन में, स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारियों और समाजसुधारकों को मरणोपरांत "भारत रत्न" प्रदान करने, उनके योगदान के पुनर्मूल्यांकन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष विशेषज्ञ समिति गठित करने, राष्ट्रनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के सम्मान हेतु एक स्वतंत्र एवं पारदर्शी नीति बनाने की मांग की है। "यह सम्मान केवल व्यक्तियों का नहीं होगा, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को नमन करने जैसा होगा। स्वतंत्रता के रक्तरंजित इतिहास को अब सर्वोच्च सम्मान की स्वर्णरेखा मिलनी चाहिए," ऐसा निवेदन में उल्लेख किया गया है। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ प्रशांत सिनकर का कहना है, "स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रश्न है। उनके बलिदान को 'भारत रत्न' का मान मिलना ही सच्ची देशभक्ति होगी।"

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका, भिवंडी.

पाणी पुरवठा विभाग
ई-निवीदा सुचना क्रमांक- ४७ (पहिल्यांदा प्रसिध्दी) सन २०२५-२६

खालील काम करण्याकरीता सक्षम व अनुभवी ठेकेदारांकडून ई निविदा मागविण्यात येत आहे.

अ. क्र.	कामाचे स्वरुप अंदाजित खर्च निविदा फॉर्म फी	निविदा विक्री व स्विकारण्याची अंतिम दिनांक
१	प्रभाग समिती क्र. ३ वॉर्ड क्र. १७ मधील एस. जी वेलवेअर ते लक्ष्मण बुरा बिल्डींग एस.जी गायत्रीनगर येथे १०० मीमी व्यासाची पाईपलाईन टाकणेबाबत. सन २०२५-२६ या. रु.९,९८,७१५/- रु.२३६०/-	दि. १८/०२/२०२६ ते दि. २५/०२/२०२६
२	प्रभाग समिती क्र. ३ जैतवन बुध्दविहार ते पिंटु सिमेंट पर्यंत ४ इंच व्यासाची पाईपलाईन टाकुण बुस्टर बसविणेबाबत. सन २०२५-२६ या. रु.५,९९,३०७/- रु.२३६०/-	
	सदर निविदा बाबतची माहिती मनपा संकेतस्थळावर http://mahatenders.gov.in वर दिनांक १८/०२/२०२६ पासुन उपलब्ध आहे.	

प्र. कार्यकारी अभियंता,
पाणी पुरवठा, पुरवठा विभाग
भिवंडी नि.शहर महानगरपालिका भिवंडी.

जा. क्र/ ज. स. वि./ 146 / दि. 17/02/2026

स्वामी-स्व. कैलाशनाथ प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक स्वतंत्र कुमार द्वारा नवभारत प्रेस लिमिटेड, नवभारत भवन प्लाट नंबर-13 सेक्टर 8 सानपाडा (पूर्व) नवी मुंबई : 470709 से मुद्रित एवं पत्रकार सदन लोकमान्य नगर नं. 4 ठाणे- 400606 महाराष्ट्र से प्रकाशित।
RNI No. MAHHIN/2008/27046 संपादक- स्वतंत्र कुमार सिटी कार्यालय- गाला नं. 61 दादोजी कोंडदेव स्टेडियम खारटन रोड, ठाणे(वेस्ट) महाराष्ट्र, मोबा: 09415287970, 7400223777, 9892789606,
ईमेल tarun.thana@gmail.com, www.tarunmitra.in * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं उत्पन्न समस्त विवाद ठाणे न्यायालय के अधीन होंगे।